शब्द-यज्ञ में दीजिये आहुति तज अभिमान ।
आओ मिलकर गायें जन-गण-मन का गान ।।
- आशु

वर्ष 20 अंक 18

स्मारिका

सृजन

लीक से बँधकर चलना,
पुरानी चाल है।
खोजिए कोई नया पथ साथियों,
यह ''सृजन'' का सवाल है ।।
- विनय शंकर दीक्षित 'आशु'

नित नये-नये आयामों का,
सृजन करे इंसान ।
रवि के सम प्रकाश बिखराये,
और करे उत्थान ।।
- राजेन्द्र कुमार द्विवेदी

शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान व
सृजन साहित्यिक एवं सामाजिक सेवा संस्थान
'उदयन भवन', बी-525, आवास विकास कॉलोनी, उन्नाव (उ0प्र0)

समस्त शब्दगंगा एवं सृजन परिवार को वार्षिक पत्रिका एवं
20वें राष्ट्रीय कवि सम्मेलन की हार्दिक शुभकामनाएं

आपके शहर में पहली बार
भारत के टॉप लीडिंग ब्रांड

The House of
STYLE

THE HOUSE OF STYLE

Designing your dreams

PARÉ
DUAL TONE range of Ceiling panels in:
Soffit Panel | Louvers

Vista Fashion your lifestyle
Alps Industries Limited
Blinds | Roller Blinds

EXCEL Home Decor
Beautiful Made Easy
Wallpaper | Curtain

dekorr
Vertical Garden | Artificial Plant | Flower

- अपने घर, ऑफिस, होटल, रेस्ट्रोरेन्ट, हॉस्पिटल आदि को सुसज्जित करायें।
- इंटीरियर, एक्सटीरियर वॉल एवं सीलिंग पैनल जिसमें सीलन, दीमक, आग का कोई प्रभाव नहीं।
- ब्रांडेड कम्पनी से खिड़की ब्लाइन्ड एवं रोलर, वुडन फ्लोरिंग।
- ब्रांडेड वाल पेपर, कर्टेन, सोफा एवं कुशन क्लाथ।
- ब्रांडेड आर्टिफिशिल गार्डेन, मैट, ग्रास, प्लांटस, बोंसाई, मेटल पाट एवं फ्लावर।

कृपया एक बार सेवा का मौका अवश्य प्रदान करें।

874, द्वितीय तल, गदन खेड़ा बाईपास (टाटा मोटर्स के सामने)
उन्नाव (उ.प्र.)–209801

+91- 9956052024 infinityassociate2024@gmail.com

सृजन

वर्ष-20 अंक-18

••• संरक्षक सम्पादक •••
डॉ० महेशचन्द्र मिश्र 'विधु'

••• प्रबन्ध सम्पादक •••
डॉ विनय शंकर दीक्षित 'आशु'

••• सम्पादक •••
कुंवर प्रेम कुमार सिंह
राकेश तिवारी 'राही'

••• विशेष सम्पादक •••
राहुल राम द्विवेदी

••• सम्पादक मण्डल •••
राकेश कुमार मिश्र, राजेन्द्र कुमार द्विवेदी, गोपाल शुक्ल
सुरेन्द्र वर्मा, मुकेश सैनी, पुष्पेन्द्र कुमार

••• परामर्श •••
पं. प्रेम कुमार दीक्षित, डॉ. मनोज श्रीवास्तव, राजेन्द्र प्रसाद तिवारी, रवीन्द्र बाबू, अशोक कुमार चौधरी
सुधांशु शुक्ल, (अधिवक्ता), राजेश शुक्ल, डॉ. जावेद खलीक, आशीष निगम, नवीन अग्रवाल

••• विशेष सहयोगी •••
अजय शुक्ल, नीरज निगम, आशीष निगम
अशोक कुमार 'मुन्ना सिंह', पवन निगम, ललित मिश्र,संजय गुप्ता
सुधीर तिवारी, शिवकिशोर 'राजू शुक्ल', सत्येन्द्र त्रिपाठी,
अवधेश सिंह, हिमान्शु चन्देल

••• प्रवक्ता •••
मनमोहन तिवारी
वैभव शुक्ल अधिवक्ता

••• प्रेरणास्रोत •••
भगवान वत्स सिंह चन्देल

••• शब्द-संयोजन •••
अखिलेश त्रिवेदी
सौरभ पाण्डेय

••• विधि सलाहकार मण्डल •••
धर्मेन्द्र मिश्र (अधिवक्ता)
ओ0पी0 तिवारी (अधिवक्ता)
अजय श्रीवास्तव (अधिवक्ता)

••• अंकेक्षक •••
गिरीश शुक्ल (चार्टर्ड एकाउन्टेंट)
जी.सी. शुक्ला एण्ड कम्पनी
543, मोतीनगर, उन्नाव

शब्दगंगा व सृजन परिवार के श्रद्धा सुमन

'सृजन' के

संस्थापक अध्यक्ष कर्मयोगी

श्री राम किशोर सिंह 'बाबा'

को अर्पित

शब्दगंगा व सृजन परिवार के श्रद्धा सुमन

'सृजन' के

संस्थापक मंत्री

श्री प्रवीण शंकर दीक्षित 'लाल'

को अर्पित

!! वाणी वन्दना !!

वर दे!,वीणावादिनि वर दे!
प्रिय स्वतन्त्र-रव अमृत मन्त्र नव
भारत में भर दे!

काट अन्ध उर के बन्धन-स्तर,
बहा जननि ज्योतिर्मय निर्झर,
कलुष भेद, तम हर, प्रकाश भर,
जगमग जग, कर दे!

नव-गति, नव-लय, ताल छन्द नव,
नवल कण्ठ, नव जलद-मन्द रव,
नव नभ के नव विहग-वृन्द को,

नव पर नव स्वर दे!
वर दे, वीणावादिनि वर दे!

-सूर्यकान्त त्रिपाठी ''निराला''

राष्ट्रीय अध्यक्ष की लेखनी से......

शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान व सृजन साहित्यिक एवं सामाजिक सेवा संस्थान के 20वें वार्षिक सारस्वत समारोह में सभी सहभागियों का स्वागत है!

संस्थान अपने संकल्पों की पूर्ति हेतु कृतसंकल्पित हैं। समय व सुविधा के अनुसार संस्थान अंतर्राष्ट्रीयध्राष्ट्रीय व प्रादेशिक स्तर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं। इस दृष्टिकोण से शब्दगंगा.सृजन को अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों के कुशल व सफल आयोजनों का गौरव प्राप्त है। शब्दगंगा शुद्धि अभियान पूरी दुनियां का पहला वैचारिक महाभियान हैए प्रसन्नता तब और अधिक होती हैए जब इस बात की पुष्टि चौटजीपीटी भी करता है।

संस्थान शब्दगंगा शुद्धि अभियान के संवाहनकर्ताओं को व विविध क्षेत्रों में अपना महनीय योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित भी करता है। इस वर्ष भी विभिन्न क्षेत्रों में अपना विशिष्ट योगदान देने वाले लोगों को शब्दगंगा.सृजन के गरिमापूर्ण सम्मान प्रदान किए जा रहे हैं।

समय व संसाधनों की उपलब्धता के अनुसार परिवर्तन हमारी विवशता व समय की आवश्यकता भी हैए जिसके परिणति स्वरूप ई.स्मारिका हमारे सम्मुख है। यद्यपि आवश्यकतानुसार स्मारिका की प्रतियों का मुद्रण भी किया जाता है। फिर भी काफी हद तक आधुनिक तकनीक का सहारा लेकर संसाधनों की बचत का प्रयास किया जाता है।

सृजन व शब्दगंगा के कार्यक्रमों की अपनी एक गरिमा हैए साहित्यिक सौष्ठव का मानक हैए शब्दगंगा अभियान का महती ध्येय है और इसी के अनुरूप कार्यक्रमों का आयोजन नैतिक दायित्व बोध व आत्मबोध है। विशेष आभार शब्दगंगा अभियान के सारथी कवियों व कवयित्रियों के प्रति जो अत्यंत सहजता व शुचि भाव से बिना आर्थिक अवरोध के शब्दगंगा.सृजन के समारोहों में प्रतिभाग करते हैं। शब्दगंगा अभियान के प्रति उनकी निष्ठापूर्ण अभिरुचि व मेरे प्रति उनका स्नेह. भाव प्रणम्य है। मैं समझता हूँ कि उनकी प्रतिभा का मूल्य तो कोई भी नहीं दे सकताए परन्तु मान का पान सुनिश्चित करना शब्दगंगा.सृजन परिवार का नैतिक दायित्व बोध है।

शब्दगंगा.सृजन 2योडोन्यूज नेटवर्क की सहभागिता के साथ त्रैमासिक कार्यक्रम 'काव्यगंगा' का शुभारंभ कर चुके हैं। इन कार्यक्रमों की दिव्यता का अपना अलग महत्व है। प्रत्येक त्रैमासिक कार्यक्रम में कम से कम एक प्रमुख कवि का सम्मान किया जाता है। साथ ही ऐसे कार्यक्रमों के आयोजनों से शब्दगंगा.सृजन परिवार के सदस्य परस्पर मिलते रहते हैं तथा उनमें एक.दूसरे के सुख.दुःख के साथी होने का पुनीत भाव पुष्पित व पल्लवित होता है।

अन्त में मैं शब्दगंगा.सृजन से सम्बद्ध सभी महानुभावों पत्रकार बन्धुओंए सहभागियों व सहयोगियों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ तथा सृजन ई.स्मारिका का 18वाँ अंक उन्हें समर्पित करता हूँ और उनका आह्वान करता हूँ।

'शब्दों की गागर में भरता है भावों का सागर।
शब्द शुद्धि अभियान चलाएं मित्र निरन्तर।।

डॉ० विनय शंकर दीक्षित 'आशु'
राष्ट्रीय अध्यक्ष–शब्दगंगा
संस्थापक महामंत्री–सृजन
चलभाष : 9450056934
दिनांक : 18.10.25

ब्रजेश पाठक
उप मुख्यमंत्री

चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, परिवार कल्याण तथा मातृ एवं शिशु कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश
कार्यालय कक्ष संख्या–99, 100, मुख्य भवन, विधान सभा सचिवालय
दूरभाष– 0522–2238088 (का0)
0522–2239999 (आ0)

लखनऊः दिनांक 18-09-2025

शुभकामना–सन्देश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि **सृजन साहित्यिक एवं सामाजिक सेवा संस्थान व शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान** उन्नाव की गौरवशाली साहित्यिक परम्परा के संवाहन में काल चिन्तन के परिप्रेक्ष्य में जन–जागरण हेतु पूरी दुनिया के अभूतपूर्व वैचारिक महाभियान शब्द–प्रदूषण मुक्ति अभियान की श्रृंखला में अपना 20वाँ अखिल भारतीय काव्योत्सव दिनांक 01 नवम्बर 2025 को कलम–कृपाण–कोपीन की धनी धरती उन्नाव में आयोजित कर रहा है।

उपर्युक्त अवसर पर **'सृजन'** ई–स्मारिका का प्रकाशन अत्यन्त सराहनीय कार्य है। आशा है कि सृजन स्मारिका ऐसी सुपाठ्य सामग्री से संपृक्त होगी, जिससे समाज में आपराधिक प्रवृत्तियों का शमन होगा तथा सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा।

मैं, **सृजन साहित्यिक एवं सामाजिक सेवा संस्थान व शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान** द्वारा **'सृजन'** ई–स्मारिका के सफल प्रकाशन हेतु अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

(ब्रजेश पाठक)

अनुराग अवस्थी
जिलाध्यक्ष-भाजपा

निवास/कार्यालय :
सिविल लाइन्स, उन्नाव

शुभकामना सन्देश

साहित्यिक कार्यक्रम समाज में ज्ञान, संस्कृति और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने का माध्यम है। ऐसे आयोजनों में कवि, लेखक, कलाकार और साहित्य प्रेमी एकत्रित होकर अपने विचारों और अनुभवों को साझा करते हैं। यह न केवल भाषा और साहित्य को समृद्ध करते हैं, बल्कि समाज में जागरूकता, संवेदनशीलता और नैतिक मूल्यों का भी प्रसार करते हैं।

साहित्यिक कार्यक्रम नई प्रतिभाओं को अवसर प्रदान करते हैं और पाठकों तथा श्रोताओं के बीच साहित्य के प्रति रुचि जाग्रत करते हैं। इन कार्यक्रमों से सामाजिक समरसता बढ़ती है और सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का मार्ग प्रशस्त होता है।

- **श्री अनुराग अवस्थी**

जिला अध्यक्ष-भाजपा, उन्नाव

पंकज गुप्ता
विधायक-सदर

निवास/कार्यालय :
1, बाबूगंज, उन्नाव

शुभकामना सन्देश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि सृजन साहित्यिक एवं सामाजिक सेवा संस्थान व शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान-उन्नाव की साहित्योर्वर धरती पर शब्दगंगा शुद्धि अभियान के संवाहन में अपना 20वाँ अखिल भारतीय काव्योत्सव व सम्मान समारोह दिनांक 01 नवम्बर 2025 को आयोजित कर रहा है।

काव्य मानव हृदय की संवेदनाओं, संस्कारों एवं सृजनशीलता का सजीव स्वरूप है। यह हृदय को उदात्त करता है और समाज में नई ऊर्जा का संचार करता है। यह आयोजन न केवल साहित्य एवं संस्कृति के प्रति जागरूकता को प्रोत्साहित करेगा, अपितु नई पीढ़ी को भी अपनी सृजनशील प्रतिभा को अभिव्यक्त करने का सुअवसर प्रदान करेगा।

उक्त अवसर पर सृजन ई-स्मारिका का प्रकाशन जहाँ एक ओर कार्यक्रम को स्मरणीय बनायेगा, वहीं दूसरी ओर ऐसी 'शब्द-मंजूषा' समाज के सम्मुख प्रस्तुत करेगा, जिससे मानव-मूल्यों की स्थापना में अप्रतिम सहयोग प्राप्त होगा।

समारोह व स्मारिका प्रकाशन की सफलता हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

भवदीय

पंकज गुप्ता
विधायक-सदर

आशुतोष शुक्ला
मा. विधायक-भगवन्तनगर

निवास/कार्यालय :
पी.डी. नगर, उन्नाव

शुभकामना सन्देश

यह अत्यंत प्रसन्नता व आत्मतुष्टि का विषय है कि सृजन साहित्यिक एवं सामाजिक सेवा संस्थान व शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान ने पूरी दुनिया के पहले वैचारिक महाभियान के रूप में 'शब्दगंगा शुद्धि अभियान' का श्री गणेश कर उसी के संवाहन में अखिल भारतीय काव्योत्सव साहित्य-शौर्य-साधना की धनी धरती उन्नाव में दिनांक 01 नवम्बर 2025 को आयोजित कर रहा है।

यह गौरव एवं हर्ष का विषय है कि बैसवारे की अत्यन्त समृद्धि एवं गौरवशाली परम्परा से सम्बद्ध होकर ऐसे आयोजनों की एक सशक्त पृष्ठभूमि संस्थान के साथ संलग्न है। निश्चित ही ऐसा आयोजन वर्षानुवर्ष के स्मृति पटल पर गहन रुप से विद्यमान रहेगा ऐसा मेरा पूर्ण विश्वास है।

उक्त अवसर पर सृजन ई-स्मारिका का प्रकाशन अतिरिक्त प्रसन्नता का विषय है। आशा है कि स्मारिका में संकलित साहित्यिक सामग्री संग्रहणीय होगी, जिससे समाज को सतत सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी। समारोह व स्मारिका प्रकाशन की सफलता हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

भवदीय

आशुतोष शुक्ल

गौरांग राठी
आई०ए०एस०
जिलाधिकारी, उन्नाव

अर्द्ध शा० पत्र सं. 801/जिला०पत्रा०
कार्यालय–जिलाधिकारी, उन्नाव (उ०प्र०)
फोन : 0515-2820207 (कार्यालय)
: 0515-2820201 (आवास)
फैक्स : 0515-2820400
ई–मेल : dmunn@nic.in
दिनांक : 15/10/2025

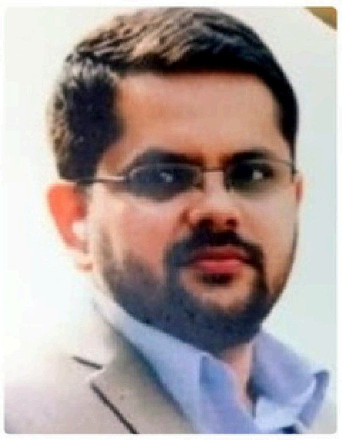

संदेश

यह अत्यन्त प्रसन्नता का विषय है कि शब्दगंगा व सृजन का 20 वाँ वार्षिक कार्यक्रम(अखिल भारतीय कवि सम्मलेन) काल चिन्तन के परिप्रेक्ष्य में जनजागरण एवं शब्दगंगा शुद्धि अभियान के संवाहन में उदयन भवन, आवास विकास कालोनी उन्नाव में दिनांक: 01 नवंबर 2025 को सायंकाल 06 बजे से आयोजित है।

इस अवसर पर सृजन ई–स्मारिका के 18 वें अंक का लोकार्पण अतिरिक्त प्रसन्नता का विषय है। आशा है कि साहित्य, साधना व शौर्य की धरती उन्नाव की गौरवशाली परम्परा के संवाहन में उपरोक्त कार्यक्रम व सृजन स्मारिका समय की शिला पर अमिट छाप छोड़ेंगे।

उपर्युक्त कार्यक्रम के आयोजन व ई–स्मारिका के सफल प्रकाशन एवं इससे जुड़े समस्त व्यक्तियों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

भवदीय,

(गौरांग राठी)
15/10/2025

श्री विनय शंकर दीक्षित 'आशू',
अध्यक्ष,
शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान,
उदयन भवन, आवास विकास कालोनी,
उन्नाव।

जय प्रकाश सिंह,
आई0पी0एस0

अर्द्ध शा0 पत्रः एसटी–सी–51 / 2025
पुलिस अधीक्षक,
उन्नाव।
दिनांकः अक्टूबर 08, 2025

शुभकामना–सन्देश

यह अत्यन्त हर्ष एवं प्रसन्नता का विषय है कि सृजन साहित्यिक एवं सामाजिक सेवा संस्थान व शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान अपना 20वाँ राष्ट्रीय काव्योत्सव शब्द–प्रदूषण मुक्ति अभियान के संवाहन में आयोजित कर रहा है।

काव्य मानव की संवेदनाओं का दर्पण और समाज को दिशा देने वाला सशक्त माध्यम है। काव्योत्सव जैसे आयोजन हमारे साहित्यिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों को नई ऊर्जा प्रदान करते हैं। इस अवसर पर प्रकाशित होने वाली स्मारिका निश्चित रूप से साहित्य प्रेमियों के लिए ज्ञानवर्धक एवं संग्रहणीय होगी।

मैं काव्योत्सव एवं स्मारिका लोकार्पण पर आयोजकों, साहित्यकारों और सभी सहभागी जनों को हृदय से बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ। आशा है कि यह आयोजन समाज में सकारात्मक सोच, सांस्कृतिक जागरूकता और सृजनात्मकता का संदेश प्रसारित करेगा।

शुभकामनाओं सहित!

भवदीय

08.10.25
(जय प्रकाश सिंह)

विनय शंकर दीक्षित, 'आशु'
राष्ट्रीय अध्यक्ष,
शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान,
उन्नाव।

डॉ0 राजीव दीक्षित,
आई0पी0एस0

पुलिस अधीक्षक
आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन,
मेरठ सेक्टर, मेरठ।

मंगलाशा

"शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान", उन्नाव (उत्तर प्रदेश) के तत्वावधान में दिनांक 01 नवंबर, 2025 को सायंकाल "शब्दगंगा" व "सृजन" का 20 वॉ वार्षिक कार्यक्रम आयोजित किया जाना प्रस्तावित है। इस सुअवसर पर "सृजन" ई–स्मारिका/स्मारिका का लोकार्पण किए जाने के साथ–साथ जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में अपना सार्थक अवदान देने वाली कतिपय विभूतियों को सम्मानित भी किया जाना है।

मैं उक्त आयोजन की पूर्ण सफलता की कामना के साथ ही परमेश्वर से यह प्रार्थना भी करता हूं कि उक्त अवसर पर आयोजित होने वाला "कवि सम्मेलन" सर्वथा संस्मरणीय बने। "सृजन" ई–स्मारिका/स्मारिका की सुखद स्मृतियॉं मानस पटल पर दीर्घकाल तक सुरक्षित रहें।

संस्था के संयोजक श्री विनय शंकर दीक्षित "आशु" एवं उनके समस्त सहयोगीगण जो कि इस आयोजन के नेपथ्य में विद्यमान हैं, सभी कोटिशः साधुवाद के पात्र हैं। परमात्मा उन्हें ऐसे ही सत्साहित्यिक आयोजनों का भविष्य में निमित्त बनने का सुअवसर प्रदान करें, यही मेरी शुभाशंसा है।

मंगलाशा सहित,

01/9/25

दिनांकः 01 सितम्बर, 2025

(डॉ0 राजीव दीक्षित)

सुशील कुमार गौंड
पी.सी.एस.
अपर जिलाधिकारी (वि./रा.)
उन्नाव

निवास/कार्यालय :
सिविल लाइन्स, उन्नाव

शुभकामना सन्देश

यह अत्यन्त हर्ष का विषय है कि सृजन साहित्यिक एवं सामाजिक सेवा संस्थान व शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान अपना 20वाँ राष्ट्रीय काव्योत्सव शब्द-प्रदूषण मुक्ति अभियान के संवाहन में दिनांक 01 नवम्बर 2025 को सायंकाल 6 बजे से उदयन भवन, आवास विकास कॉलोनी, उन्नाव में आयोजित कर रहा है।

काव्य मानव जीवन की गहनतम भावनाओं का सजीव रूप है। काव्योत्सव केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज को संस्कारित करने, साहित्यिक परंपराओं को आगे बढ़ाने और नई पीढ़ी में रचनात्मक चेतना जाग्रत करने का एक सशक्त माध्यम है।

इस अवसर पर प्रकाशित होने वाली स्मारिका न केवल साहित्य प्रेमियों के लिए एक मूल्यवान धरोहर होगी, बल्कि यह समाज को विचारों की नई दिशा देने का कार्य भी करेगी।

मैं काव्योत्सव एवं स्मारिका लोकार्पण के अवसर पर आयोजकों, साहित्यकारों तथा सभी प्रतिभागियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देता हूँ।

भवदीय

(सुशील कुमार गौंड)

अमिताभ यादव
पी.सी.एस.
अपर जिलाधिकारी (न्यायिक)
उन्नाव

निवास/कार्यालय :
उन्नाव

शुभकामना सन्देश

काव्य मानव हृदय की गहराइयों से निकली वह मधुर अभिव्यक्ति है, जो समाज को संवेदना, सृजनशीलता और संस्कारों से जोड़ती है। 'काव्योत्सव एवं स्मारिका लोकार्पण' जैसे आयोजन साहित्य और संस्कृति के प्रति हमारी गहरी निष्ठा का प्रतीक हैं।

इस अवसर पर मैं सभी साहित्यकारों, कवियों और आयोजकों को हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ। यह आयोजन न केवल साहित्यिक प्रतिभाओं को मंच प्रदान करेगा, बल्कि समाज में सकारात्मक विचारधारा को भी प्रसारित करेगा।

आशा है कि यह काव्योत्सव नई ऊर्जा, प्रेरणा और रचनात्मकता का संचार करेगा तथा स्मारिका आने वाली पीढ़ियों के लिए एक अमूल्य साहित्यिक धरोहर सिद्ध होगी।

भवदीय
(अमिताभ यादव)

राजीव राज
पी.सी.एस.
नगर मजिस्ट्रेट, उन्नाव

कार्यालय : उन्नाव

शुभकामना सन्देश

यह अत्यन्त प्रसन्नता का विषय है कि शब्दगंगा व सृजन का 20वाँ वार्षिक कार्यक्रम (अखिल भारतीय कवि सम्मेलन) काल चिन्तन के परिप्रेक्ष्य में जनजागरण एवं शब्दगंगा शुद्धि अभियान के संवाहन में उदयन भवन, आवास विकास कॉलोनी उन्नाव में दिनांक 01 नवम्बर 2025 को सायंकाल 6 बजे से आयोजित है।

इस अवसर पर सृजन ई-स्मारिका के 18वें अंक का लोकार्पण अतिरिक्त प्रसन्नता का विषय है। साहित्य से संस्कारों का संवाहन होता है और संस्कारों से कुप्रवृत्तियों का शमन। मुझे आशा है कि इस कार्यक्रम के माध्यम से संस्कार संवाहित होंगे और आपराधिक प्रवृत्तियों का शमन होगा।

उपर्युक्त कार्यक्रम व स्मारिका लोकार्पण की सफलता हेतु मेरी हार्दिक मंगलकामनाएं।

भवदीय

(राजीव राज)

अन्नू टण्डन

पूर्व सदस्य-लोकसभा

उन्नाव

शुभकामना सन्देश

यह हर्षयुक्त गौरवानुभूति का विषय है कि सृजन साहित्यिक एवं सामाजिक सेवा संस्थान व शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान अपना 20वाँ राष्ट्रीय काव्योत्सव शब्द-प्रदूषण मुक्ति अभियान के संवाहन में दिनांक 01 नवम्बर 2025 को कलम-कृपाण-कोपीन की धनी धरा उन्नाव में आयोजित कर रहा है।

साहित्य और समाज एक दूसरे के पूरक हैं जिससे जीवन में बदलाव आता है। आदिकाल के वैदिक ग्रन्थों व उपनिशदों से लेकर वर्तमान साहित्य ने मनुश्य जीवन को सदैव ही प्रभावित किया है।

इस अवसर पर सृजन ई-स्मारिका का लोकार्पण अतिरिक्त प्रसन्नता का विषय है। मुझे आशा है कि इस कार्यक्रम के माध्यम से संस्कार संवाहित होंगे और आपराधिक प्रवृत्तियों का शमन होगा।

काव्योत्सव व स्मारिका प्रकाशन की सफलता हेतु मेरी अनन्त मंगलकामनाएं!

भवदीय

(अन्नू टण्डन)

अरविन्द त्रिपाठी

पूर्व सदस्य-विधान परिषद
लखनऊ

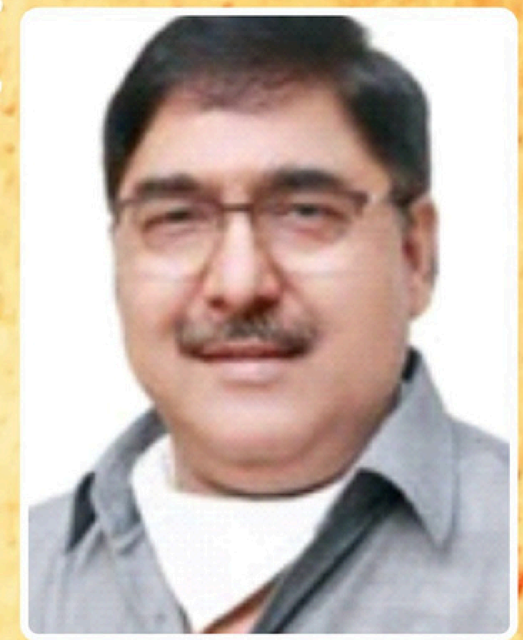

शुभकामना सन्देश

मुझे यह जानकर अत्यंत हर्ष हो रहा है कि शब्दगंगा शुद्धि अभियान के संवाहन में अपना 20वाँ अखिल भारतीय काव्योत्सव व सम्मान समारोह दिनांक 01 नवम्बर 2025 को आयोजित कर रहा है। तथा इसके साथ ही स्मारिका का प्रकाशन भी हो रहा है। यह आयोजन न केवल साहित्यकारों, कवियों और रचनाधर्मियों को अभिव्यक्ति का मंच प्रदान करता है, बल्कि समाज में साहित्यिक, सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों के प्रसार का भी माध्यम बनता है।

स्मारिका का प्रकाशन इस आयोजन को स्थायी स्मृति देने के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत सिद्ध होगा। साहित्य समाज का दर्पण है और ऐसे आयोजन समाज को नई दिशा, नई ऊर्जा एवं सकारात्मक विचार प्रदान करते हैं।

मैं आयोजकों, प्रतिभागी कवियों एवं साहित्य प्रेमियों को हृदय से बधाई देता हूँ तथा इस काव्योत्सव और स्मारिका प्रकाशन की सफलता की मंगलकामना करता हूँ।

भवदीय

AK

(अरविन्द त्रिपाठी)

श्वेता मिश्रा
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद-उन्नाव

कार्यालय :
नगर पालिका परिषद, उन्नाव
मो.: 9919692804

शुभकामना सन्देश

यह अत्यन्त हर्ष का विषय है कि सृजन साहित्यिक एवं सामाजिक सेवा संस्थान व शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी दिनांक 01 नवम्बर 2025 को अपना 20वाँ अखिल भारतीय काव्य समारोह शब्द-प्रदूषण मुक्ति अभियान के संवाहन में आयोजित कर रहा है।

उक्त अवसर पर सृजन ई-स्मारिका का प्रकाशन अतिरिक्त प्रसन्नता का विषय है। आशा है कि स्मारिका में संकलित साहित्यिक सामग्री संग्रहणीय होगी, जिससे समाज को सतत सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी।

समारोह व स्मारिका प्रकाशन की सफलता हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

भवदीय

(श्वेता मिश्रा)

नीरज गुप्ता
ब्लाक प्रमुख
विकास खण्ड-बिछिया
उन्नाव

कार्यालय :
2, बाबूगंज, उन्नाव

शुभकामना सन्देश

यह अत्यन्त प्रसन्नता का विषय है कि सृजन साहित्यिक एवं सामाजिक सेवा संस्थान व शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान उन्नाव की गौरवशाली परम्परा के संवाहन में दिनांक 01 नवम्बर 2025 को राष्ट्रीय काव्य एवं सम्मान समारोह का आयोजन उदयन भवन, आवास विकास कॉलोनी उन्नाव में कर रहा है। इस अवसर पर वार्षिक 'सृजन' ई–स्मारिका का प्रकाशन एक सराहनीय कार्य है।

काव्य मानव हृदय की भावनाओं का सबसे सुंदर और प्रभावशाली अभिव्यक्ति का माध्यम है। काव्योत्सव का आयोजन न केवल साहित्यिक परंपरा को सशक्त करेगा, बल्कि नई प्रतिभाओं को भी मंच प्रदान करेगा। स्मारिका प्रकाशन आगामी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी और साहित्य जगत को नई दिशा देगी।

काव्योत्सव एवं स्मारिका प्रकाशन के इस अवसर पर मैं सभी रचनाकारों, साहित्यप्रेमियों तथा आयोजकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देता हूँ।

भवदीय

नीरज गुप्ता

विपिन मिश्रा
प्रमुख समाजसेवी/जिला महामंत्री
भाजपा- उन्नाव

कार्यालय :
उन्नाव

शुभकामना सन्देश

प्रसन्नता का विषय है कि सृजन साहित्यिक एवं सामाजिक सेवा संस्थान व शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान उन्नाव की गौरवमयी साहित्यिक एवं सांस्कृतिक परम्परा के संवाहन में राष्ट्रीय कवि सम्मेलन व सम्मान समारोह का आयोजन 01 नवम्बर 2025 को कर रहा है। मुझे आशा है कि वाणीपुत्रों के काव्य पाठ व सृजन ई-स्मारिका के प्रकाशन एवं लोकार्पण से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा।

मैं शब्दगंगा व सृजन साहित्यिक अनुष्ठान में पधारे प्रतिभागियों व सहभागियों का स्वागत, अभिनन्दन करता हूँ एवं सृजन स्मारिका के सफल लोकार्पण की कामना करता हूँ।

भवदीय
विपिन मिश्रा

विमल द्विवेदी

संस्थापक-
नर सेवा/नारायण सेवा
(प्रमुख समाजसेवी)

शुभकामना सन्देश

यह अत्यन्त प्रसन्नता का विषय है कि सृजन साहित्यिक एवं सामाजिक सेवा संस्थान व शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान उन्नाव की गौरवशाली परम्परा के संवाहन में दिनांक 01 नवम्बर 2025 को राष्ट्रीय काव्य एवं सम्मान समारोह का आयोजन उदयन भवन, आवास विकास कॉलोनी उन्नाव में कर रहा है। ऐसे कार्यक्रमों से जनजागरण व सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है, जिससे समाज को सही दिषाबोध होता है।

इस अवसर पर वार्षिक 'सृजन' ई-स्मारिका का प्रकाशन एक सराहनीय कार्य है। आषा है कि स्मारिका में सुपाठ्य संग्रहणीय सामग्री होगी।

काव्य समारोह एवं ई-स्मारिका प्रकाशन एवं लोकार्पण हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

भवदीय

(विमल द्विवेदी)

प्रशान्त कटियार 'मंटू'
प्रमुख समाजसेवी
प्रतिनिधि-पूर्व नगर पालिका
परिषद अध्यक्षा- उन्नाव

शुभकामना सन्देश

यह अत्यन्त प्रसन्नता का विषय है कि सृजन साहित्यिक एवं सामाजिक सेवा संस्थान व शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान उन्नाव की गौरवशाली परम्परा के संवाहन में दिनांक 01 नवम्बर 2025 को राष्ट्रीय काव्य एवं सम्मान समारोह का आयोजन उदयन भवन, आवास विकास कॉलोनी उन्नाव में कर रहा है। इस अवसर पर वार्षिक 'सृजन' ई-स्मारिका का प्रकाशन एक सराहनीय कार्य है।

आशा है कि स्मारिका में संकलित साहित्यिक सामग्री संग्रहणीय होगी, जिससे समाज को सतत सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी।

भवदीय
प्रशान्त कटियार 'मंटू'

प्रवीण मिश्रा 'भानू'
प्रतिनिधि-अध्यक्षा
नगर पालिका परिषद-उन्नाव

कार्यालय :
रामपुरी, उन्नाव

शुभकामना सन्देश

यह हर्षयुक्त गौरवानुभूति का विषय है कि सृजन साहित्यिक एवं सामाजिक सेवा संस्थान व शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान-उन्नाव की साहित्योर्वर धरती पर 'शब्दगंगा शुद्धि अभियान' के संवाहन में अपना 20वाँ अखिल भारतीय काव्योत्सव व सम्मान समारोह दिनांक 01 नवम्बर 2025 को आयोजित कर रहा है।

साहित्य और समाज एक दूसरे के पूरक हैं जिससे जीवन में बदलाव आता है। आदिकाल के वैदिक ग्रन्थों, उपनिशदों से लेकर वर्तमान साहित्य ने मनुष्य जीवन को सदैव प्रभावित किया है।

उक्त अवसर पर सृजन ई-स्मारिका का प्रकाशन अतिरिक्त प्रसन्नता का विषय है। आशा है कि स्मारिका में संकलित साहित्यिक सामग्री संग्रहणीय होगी, जिससे समाज को सतत सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी।

काव्योत्सव व स्मारिका प्रकाशन की सफलता हेतु मेरी अनन्त मंगलकामनाएं !

भवदीय

(प्रवीण मिश्रा 'भानू')

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की कलम से......

भारत की सांस्कृतिक चेतना में शब्दों का महत्व सर्वोपरि रहा है। शब्द न केवल विचारों के माध्यम हैं, बल्कि संस्कारों, परंपराओं और मानवीय मूल्यों के संवाहक भी हैं। इसी विचारधारा को मूर्त रूप देने वाला अभियान है कृ "शब्दगंगा"।

शब्दगंगा का उद्देश्य भाषा की शुद्धता, शब्दों की मर्यादा और साहित्य की सृजनशीलता को संरक्षित करना है। यह एक ऐसा सामाजिक–साहित्यिक आंदोलन है, जो लेखन और वाणी दोनों में संस्कृतिपूर्ण अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करता है।

शब्दगंगा का मूल संदेश है कृ"शुद्ध शब्द, शुद्ध विचार कृ यही है सच्चा संस्कार।"

यह आंदोलन केवल हिंदी तक सीमित नहीं, बल्कि सभी भारतीय भाषाओं के सम्मान और संरक्षण की भावना को भी समाहित करता है। इसमें विद्यार्थी, शिक्षक, कवि, लेखक, पत्रकार, और भाषा–प्रेमी सभी जुड़ रहे हैं।

शब्दगंगा शुद्धि अभियान के माध्यम से गलत वर्तनी, अशुद्ध प्रयोग और भाषाई विकृति के विरुद्ध जागरूकता फैलाई जा रही है। यह प्रयास भारतीय भाषाओं को आत्मगौरव और वैचारिक शुचिता से जोड़ता है।

अंततः कहा जा सकता है कि कृ"शब्दगंगा" केवल एक अभियान नहीं, बल्कि यह शब्दों की साधना और संस्कृति की साधना है।

यह हमें याद दिलाता है कि जब शब्द गंगा की तरह निर्मल होंगे, तभी समाज की भाषा भी स्वच्छ और सशक्त बनेगी। शब्दों की शुद्धता एक मात्र उपाय है आपराधिक घटनाओं को कम करने का,जय शब्द गंगा।

ओ०पी० तिवारी

अधिवक्ता–उच्च न्यायालय लखनऊ

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष – शब्दगंगा

दूरभाष–9454377082

अपनी मर्जी से शादी करने वाली लड़की के पिता की व्यथा

-डॉ. उदय शंकर दीक्षित
'नित्यानन्द'

बेटी तुम चली गयी, त्याग पिता का मोह, आकर्षण में बँधकर।
छोड़ दिया सब नेह यहाँ का, बना विधर्मी तेरा वर।
रोज शाम थी दीप जलाती, तुलसी के नीचे गोपाल को।
जहाँ पाप है मूर्ति पूजा, तुमने ऐसी चुना ससुराल को।
देखो प्रकृति का खेल, बहे सब घर के संस्कार।
प्रेम माँ-बाप का हुआ असहाय, जीता युवक का प्यार।
तुमने छोड़े रीति-रिवाज, बदल लिया अपना आहार।
अब न तुम्हें उल्टी आती है, देखकर माँसाहार।
पल-दिन-छिन डूबी रहती हो बस पति के रंग।
तुमको बस स्वर्ग लगता है, अपने पति का ही संग।
जैव रसायन का सब खेल, मन न रहा तुम्हारे वश।
तुम न जरा पसीजीं, माता खाकर गिरी थीं गश।
मैं भी कैसा भ्रम में था जीता।
तुमको पालने में जीवन बीता।
घटेगी ऐसी घटना।
न की थी ऐसी कल्पना।
विधर्मी के संग तुम गयी थी भाग।
मेरे मन में जल रही है आग।
हाय प्रकृति का कैसा नियम ?
खलनायक बन गये हैं हम।
नायक बना वह युवा बेकार।
जिसमें न कोई आचार-विचार।
न जाने तुम्हें क्या दिया दिखाई?
गाय चली गयी संग कसाई
मेरी होती जग-हँसाई।
तुम्हें किन्तु कुछ दया न आयी।
जी में आया छोड़ूँ तेरा ख्याल।
मन किन्तु हो रहा बेहाल।
बार-बार मन भावुक होता।
तकिये में सिर रख मैं रोता।
नहीं पा रहा तुमको भूल।
धधक रहा है जी में शूल।
छोड़ न पाता नेह का नाता।
रोती रहती तेरी माता।
मन करता है बदलूँ जीवन।
मैं भी कर लूँ धर्म परिवर्तन।
स्वीकारूँ मैं तुम्हारा विवाह।
पर दिल में लगती है आह।
कैसे छोडूं अपने संस्कार?
कैसे छोडूं अपने यार?
यदि छोडूं भी तो क्या फायदा?
तुम तो बस उस युवक पर फिदा।
माँ-बाप जाते हैं मर।
नारी जब मर मिटती नर पर।

- जनवरी, 2016
सामाजिक डायरी

भौतिक सुख ऊपर सिद्धान्त नीचे

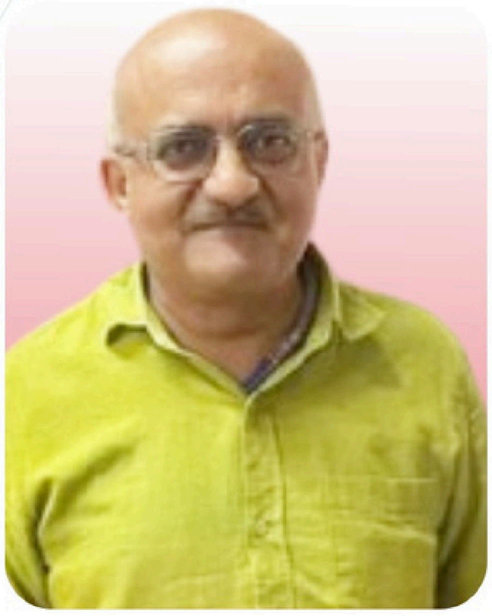

उस दिन कपूर मैडम मिलीं। उनकी बेटी रागिनी शादी लायक है। किसी विद्यालय में पढ़ाती है। अब बत्तीस वर्ष की हो गयी है। कपूर मैडम पूरी तरह शाकाहारी हैं, पर रागिनी अण्डे खा लेती है। शादी को इच्छुक है अब पुत्री। मैंने कपूर मैडम को सलाह दी, ष्रागिनी अपने किसी सहकर्मी के साथ शादी कर सकती है। विद्यालय में कुँवारे अध्यापक भी तो होंगे। यदि उम्र मिल जाय और लड़का शाकाहारी हो, तो आप रिश्ता प्रस्तावित कर सकती हैं।ष

कपूर मैडम बोलीं, जी, माँसाहारी होने से भी कोई हर्ज नहीं। मेरे परिवार में पहले माँस खाया जाता था।

फिर कहने लगीं, ष्मेरे लिए कोई जाति या धर्म का बंधन नहीं है। लड़का अच्छा होना चाहिए।

अच्छे लड़के की परिभाषा वे ही जानें। मैंने खबर पायी कि रागिनी ने किसी मुसलमान तहसीलदार से शादी कर ली। उसके सालभर बाद उनका तलाक भी हो गया। अब रागिनी ने किसी सिंधी व्यवसायी से शादी की है। वह व्यवसायी मेरा मित्र है। रागिनी से परेशान है और लगता है कि तलाक शीघ्र हो जायेगा। बकौल उसके, रागिनी खर्चीली है। जब देखो तब पति का पैसा पानी की तरह बहाती रहती है। अपनी तनख्वाह के धन का उपयोग न जाने कहाँ करती है? चरित्र को लेकर भी संदेह है।

असल में भोगवाद ही जीवन का लक्ष्य हो गया है। अब संस्कारों को वरीयता देने वाले गिने-चुने लोग रह गये हैं। धर्म, पूजा-पाठ, रीति-रिवाज सब ताक पर रख दिये गये हैं। मिल कुछ नहीं रहा, मात्र अशांति के। फिर भी इंसान समझ नहीं पा रहा।

-डॉ. उदय शंकर दीक्षित
'नित्यानन्द'

सृजन व शब्दगंगा परिवार की ओर से

श्रद्धांजलि

स्मृतिशेष अजीत पाल सिंह

सृजन व शब्दगंगा परिवार की ओर से

श्रद्धांजलि

स्मृतिशेष नवीन दीक्षित

Rahul Ram Dwivedi(Founder)

2YoDoINDIA News Network

KNOW THE SENSE OF NEWS | WWW.2YODOINDIA.COM | UDYAM-UP-74-0006822

2YoDoINDIA News Network (2YoDo TV) is an independent media organization dedicated to covering news from India and elsewhere with a focus on progressive movements. Founded in 2019, 2YoDoINDIA News Network has, over the years, become one of India's most consistent chroniclers of diverse people's movements and struggles. 2YoDoINDIA News Network also focuses extensively on science and technology, and on data journalism. 2YoDoINDIA News Network is owned by 2YoDoINDIA Private Limited. and was founded by Rahul Ram Dwivedi, who is also the Editor-in-Chief of the organisation. An Editorial Collective manages the day-to-day affairs of the organisation.

If you have feedback or suggestions, do send a mail at rrd@2yodoindia.com

Download on the App Store | GET IT ON Google Play | LIVE | 2YoDo TV

2YoDo ARMY

The NGO

|| तेरा तुझको अर्पण क्या लागे मेरा ||

UPAKRITAM TO YOUR DOOR | WWW.2YODOINDIA.IN

TEAM 2YODOARMY

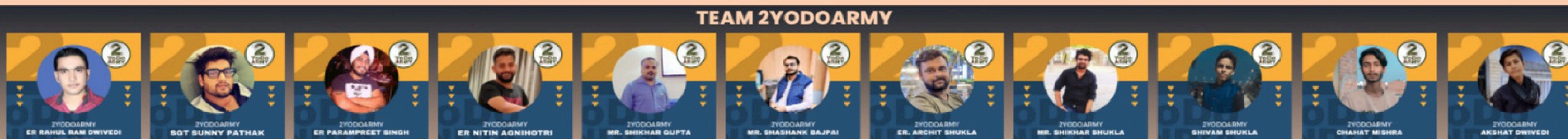

कार्यक्रम की झलकियाँ

'सृजन' व शब्दगंगा संस्थान द्वारा आयोजित
काव्य समारोह पर पधारें वाणीपुत्रों व अभ्यागतों का

हार्दिक स्वागत व अभिनन्दन

-सुरेन्द्र वर्मा 'बाबा'

'सृजन' व शब्दगंगा संस्थान द्वारा आयोजित
काव्य समारोह पर पधारें वाणीपुत्रों व अभ्यागतों का

हार्दिक स्वागत व अभिनन्दन

-भानू प्रताप सिंह

'सृजन' व शब्दगंगा संस्थान द्वारा आयोजित
काव्य समारोह पर पधारें वाणीपुत्रों व अभ्यागतों का

हार्दिक स्वागत व अभिनन्दन

धर्मेन्द्र कुमार मिश्रा अधिवक्ता

'सृजन' व शब्दगंगा संस्थान द्वारा आयोजित
काव्य समारोह पर पधारें वाणीपुत्रों व अभ्यागतों का

हार्दिक स्वागत व अभिनन्दन

राकेश कुमार मिश्रा
सृजन व शब्दगंगा सारथी

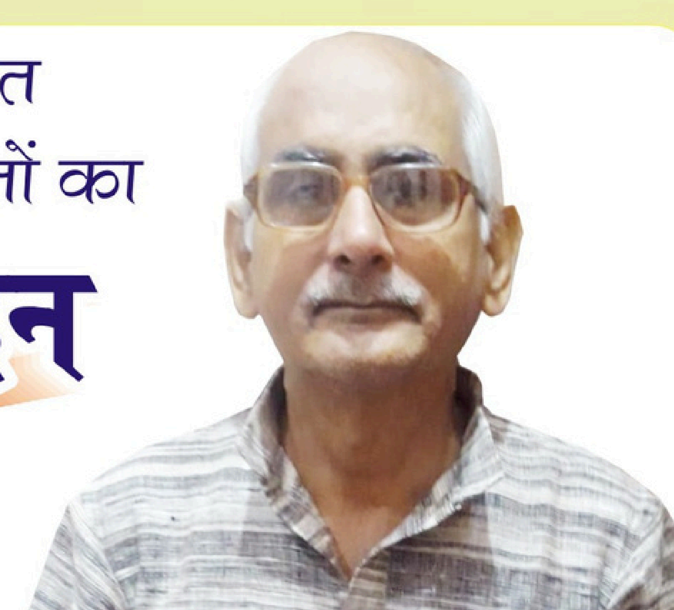

एक हवा का झोंका

\- कुंवर प्रेमसिंह सेंगर

किसे मालूम था,
फूल खिलने से पहले बिखर जायेंगे ?
जो सुबह के निकले हैं,
शाम को वापस नहीं आयेंगे।
माली का फूल से वादा था,
उसका भी कुछ इरादा था,
लौटा तो फूल बिखरा पड़ा था,
मुरझा गया वह जिसके आस में था।
वह सोच में पड़ गया
ऐसा क्या हुआ उसके साथ ?
अभी तो पड़ी थी उम्र तमाम।
सोच-सोच कर जब हुआ निराष,
एक हवा का झोंका
कुछ कहकर निकल गया।
क्या मालूम था,
फूल खिलने से पहले बिखर जायेंगे ?
जो सुबह के निकले हैं,
शाम को वापस नहीं आयेंगे।

समस्त शब्दगंगा एवं सृजन परिवार को वार्षिक पत्रिका एवं
20वें राष्ट्रीय कवि सम्मेलन की हार्दिक शुभकामनाएं

आदर्श ईंट भट्ठा

लोहचा, अचलगंज-उन्नाव

आदर्श एजेन्सी

स्टाकिस्ट-हिन्दुस्तान लीवर लि.

प्रो. ललित मिश्रा 7860111121

'सृजन' व शब्दगंगा संस्थान द्वारा आयोजित
काव्य समारोह पर पधारें वाणीपुत्रों
व अभ्यागतों का

हार्दिक स्वागत व अभिनन्दन

देवशंकर वर्मा

कविता

भ्रष्टाचार सम्बन्धी सम्मान

एक से बढ़कर एक यहाँ पर भ्रष्ट पड़े हैं।
जो बड़े से बड़े सम्मान लेने को अड़े हैं।
भ्रष्ट–शिरोमणि सम्मान कोई लेना नहीं चाहता।
मैं उन्हें कोई दूसरा सम्मान देना नहीं चाहता।

कुछ भ्रष्टाचारियों को भ्रष्टाचार में महारत हासिल है।
भ्रष्टाचार–महारथी सम्मान के वे सर्वथा काबिल हैं।
यह सम्मान भी कोई भ्रष्टाचारी लेना नहीं चाहता।
मैं ईमानदारी से कोई दूसरा सम्मान देना नहीं चाहता।

एक भ्रष्टाचारी से मैं बोला– भ्रष्टाचारियों में आप सबसे भारी हैं।
भ्रष्ट–शिरोमणि सदृश सम्मान के आप ही सर्वथा अधिकारी हैं।
वह बोला– मैं भ्रष्टाचार सम्बन्धी सम्मान ग्रहण नहीं कर सकता हूँ।
मैं भ्रष्टाचारी हूँ, भ्रष्टाचार से ईमानदारी का सम्मान खरीद सकता हूँ।

थोड़ा भ्रष्टाचार मैं कर रहा, थोड़ा आप कीजिए।
सम्मान के बदले रूपया लेना है, तो लीजिए।
यदि कर्म–निष्ठा, कर्तव्य–परायण जैसे सम्मान आपके झोले में हैं,
तो हम भ्रष्टाचारी इन महनीय सम्मानों को पाने के लिए मुँह खोले हैं।

–डॉ. विनय शंकर दीक्षित 'आशु'– उन्नाव

AMBANI
HOME SOLUTIONS
TILES, GRANITE
SANITARY WARE
FAUCETS
Kerovit
is freedom
By Kajaria
WORLD CLASS
SANITARY & FAUCETS
AMRENDRA NIGAM -8400403676, 7355137239
Add.: Gadan Khera Bypass, Unnao

राष्ट्रीय प्रवक्ता की कलम से...

शब्दगंगा शुद्धि अभियान कृ भाषा, संस्कृति और संवेदना का नवजागरण है।

भाषा किसी भी राष्ट्र की आत्मा होती है। जब भाषा शुद्ध, सुसंस्कृत और संस्कारित रहती है, तभी समाज में विचारों की पवित्रता और संस्कारों की स्थिरता बनी रहती है। आज के युग में जब भाषा का स्वरूप बदल रहा है, और शब्दों की मर्यादा संकट में पड़ रही है, ऐसे समय में 'शब्दगंगा शुद्धि अभियान' एक उज्ज्वल दीपक बनकर समाज के सामने आया है।

अभियान की प्रेरणा एवं मुख्य उद्देश्य भाषा की शुद्धता को पुनर्स्थापित करना।

शब्दों में संस्कार और सभ्यता की मर्यादा बनाए रखना।

युवा पीढ़ी में हिन्दी के प्रति गर्व और अपनापन जगाना।

और साहित्यकारों, शिक्षकों और विद्यार्थियों को भाषा शुद्धि के प्रति जागरूक करना।

सोशल मीडिया, लेखन और संवाद में शालीन, सुसंस्कृत भाषा का प्रयोग प्रोत्साहित करना।

शब्दगंगा संस्था द्वारा पूरे देश में भाषा शुद्धि कार्यशालाएँ, साहित्यिक गोष्ठियाँ, काव्य-आयोजन, अ,नलाइन प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं।

इस अभियान का संदेश सरल है कृ 'शब्द शुद्ध हों, भाव सच्चे हों, और भाषा हो गंगाजल-सी निर्मल'।

इस अभियान ने हिन्दी प्रेमियों में नई चेतना जगाई है।

विद्यालयों, महाविद्यालयों और कवि-सम्मेलनों में अब शब्दों की गरिमा पर खुलकर चर्चा होने लगी है।

भाषा की मर्यादा को लेकर एक नई पीढ़ी सजग हो रही है कृ यही इस अभियान की सबसे बड़ी सफलता है।

'शब्दगंगा शुद्धि अभियान' केवल भाषा का आंदोलन नहीं, बल्कि संस्कार, संस्कृति और सभ्यता की रक्षा का अभियान है।

संस्था का यह प्रयास यह सिखाता है कि

शब्द केवल वाणी नहीं, बल्कि विचार और व्यवहार की आत्मा हैं।

जब शब्द गंगा-से निर्मल होंगे, तभी समाज में विचार गंगोत्री-से पवित्र बनेंगे।

इसी में हिन्दी का भविष्य और भारत की आत्मा सुरक्षित है।

जय भारत! जय भारती!! जय शब्दगंगा!!!

- राकेश तिवारी 'राही'
राष्ट्रीय प्रवक्ता- शब्दगंगा
9198588920

सृजन व शब्दगंगा परिवार की ओर से

श्रद्धांजलि

स्मृतिशेष मोहनलाल मिश्र 'धीरज'

सृजन व शब्दगंगा परिवार की ओर से

श्रद्धांजलि

स्मृतिशेष रामकुमार द्विवेदी

जाँच पक्की तो
बीमारी से मुक्ति

घर, क्लीनिक एवं हॉस्पिटल से
सैम्पल लाने की सुविधा
24x7 घण्टे उपलब्ध है

ARYAN DIAGNOSTIC CENTRE

आशुतोष चौहान

आर्यन डायग्नोस्टिक सेन्टर

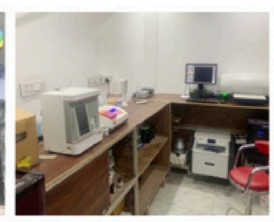

पैथोलॉजी - डिजिटल एक्स-रे -
कंप्यूटराइज्ड रिपोर्ट्स

Mob.: 8353995455, 8353965455, 9643468543

सी–228, ब्लाक, एल.आई.सी. ऑफिस रोड, आवास विकास कॉलोनी, उन्नाव

E-mail : aryandiagnosticcenter252@gmail.com

हॉर्मोन, थाइराइड, डायबिटीज, बलगम, पसपानी, गठिया, गाँठ, लीवर, किडनी, हार्ट, टी बी, ब्लड प्रेशर, पेशाब, वीर्य एवं सभी अन्य प्रकार की जाँचें उचित मूल्य पर उपलब्ध हैं।

समस्त शब्दगंगा एवं सृजन परिवार को वार्षिक पत्रिका एवं
20वें राष्ट्रीय कवि सम्मेलन की हार्दिक शुभकामनाएं

7007152617
8604482635

श्री लक्ष्मी जेवर कोठी

प्रो. नरेश कुमार शर्मा

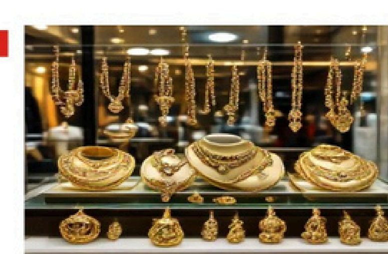

शुद्ध सोने एवं चाँदी
के आभूषणों
के निर्माता एवं विक्रेता

स्थान :
सी–ब्लाक (निकट एल.आई.सी. बिल्डिंग वाली गली)
आवास विकासकॉलोनी, उन्नाव–209801

कार्यक्रम की झलकियाँ

कविता

अब बेटा बचा लेना

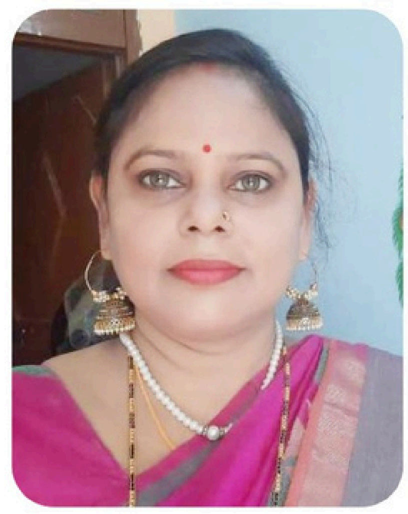

- सारिका तिवारी

आवास विकास कॉलोनी
उन्नाव (उ.प्र.)

'अब बेटा बचा लेना'
खूब बचाई बेटी,
मोदी जी अब बेटा बचा लेना।
कर रही बिटिया कमाल,
मोदी जी अब बेटा बचा लेना॥
कलियों को है खूब सम्भाला,
धन दौलत सब कुछ देडाला।
हनीमून है बवाल,
मोदी जी अब बेटा बचा लेना॥
पूजा पाठ तो एक बहाना,
मन्दिर-मन्दिर क्या है जाना।
अब तो करे है धमाल,
मोदी जी अब बेटा बचा लेना॥
मोबाइल से बिजनेस करना,
मैनेजर का पद है रखना।
कर दिया पूत हलाल,
मोदी जी अब बेटा बचा लेना॥
खूब बचाई बेटी,
मोदी जी अब बेटा बचा लेना।
कर रही बिटिया कमाल,
मोदी जी अब बेटा बचा लेना॥

सृजन-शब्दगंगा के वार्षिक काव्योत्सव पर पधारे वाणीपुत्रों/अतिथियों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन।

-शशांक त्रिपाठी

गजल

– पुष्पेन्द्र 'प्रेमी'

अब हो गया नदियों का पानी देखिए खुल्लाब सा
है जिंदगी में कर रहा वो काम कुछ तेजाब सा
वो मुस्करा कर झुक गयी आदाब कहने के लिए
अंदाज ये आदाब का मुझको लगा नायाब सा
चंगुल में साहूकार के गर्दन फँसा दी कर्ज ले
उसको डुबोता जा रहा था कर्ज ये गिर्दाब सा
होठों को होठों से छुआ मदहोश हो उसने मेरे
पागल किए है अब तलक वो चूमना शहदाब सा
हैं गाल मक्खन से तेरे हैं स्याह जुल्फें रात सी
आँखें हैं तेरी झील सी चेहरा तेरा महताब सा
मुझको उड़ा कर ले गई यादें किसी की दूर तक
जो कल तलक अहसास था वो आज है बस ख्वाब सा
उम्मीद का मेरी मकाँ हर बार बन बन कर गिरा
आया गम-ए-तूफां कभी आया कभी सैलाब सा
था जिस्म मेरे पास लेकिन रूह कोई ले गया
बस देखता मैं रह गया लाचार सा बेताब सा

खुल्लाब=कीचड़
गिर्दाब=भवँर
शहदाब=शहद की शराब

सृजन-शब्दगंगा के वार्षिक काव्योत्सव पर पधारे वाणीपुत्रों/अतिथियों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन।

-अमिताभ पाल

गुरू का गौरव

अंधियारे में दीपक बनकर, राह दिखाते गुरु महान,
ज्ञान का सागर बन जाते, मिटा दें हर अज्ञान।

शब्दों में शक्ति भर देते, मन में उमंग जगाते,
पथ भटके जीवन को वे, सच्चे मार्ग पर लाते।

मां-बाप दें शरीर हमें, पर बुद्धि का दान गुरु,
संस्कारों की छाया देकर, करें हमें सम्मान गुरु।

कठिन समय में साहस बनते, संकट में आधार,
गुरु ही सिखाते जीवन में, सच्चे कर्म का सार।

उनके उपदेशों से खिलती, जीवन की बगिया सारी,
उनकी कृपा से मिलती है, मन में उजियारी।

वेदों का स्वर, गीता का सार, उपनिषदों की बात,
हर ग्रंथ में गुरु की महिमा, जैसे सूरज की रात।

उनके बिना नहीं कोई रौशनी, नहीं कोई पहचान,
गुरु के चरणों में ही बसता, जीवन का सम्मान।

नमन करें उस दिव्य शक्ति को, जो सबको राह दिखाती,
जिसकी कृपा से आत्मा भी, सच्ची मुक्ति पाती।

शिष्य अगर सच्चा हो तो, गुरु भी प्रसन्न हो जाएँ,
एक दृष्टि से बस वे जीवन, स्वर्णिम बना जाएँ।

गुरु की वाणी अमृत-सी, गुरु का आशीर्वाद महान,
उनके चरणों में झुक जाए, सारा मानव-जहान।

– सौरभ पाण्डेय, उन्नाव

सृजन-शब्दगंगा के वार्षिक काव्योत्सव पर पधारे वाणीपुत्रों/अतिथियों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन।

-आकाश शर्मा

सृजन-शब्दगंगा के वार्षिक काव्योत्सव पर पधारे वाणीपुत्रों/अतिथियों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन।

-अभिषेक सोनी

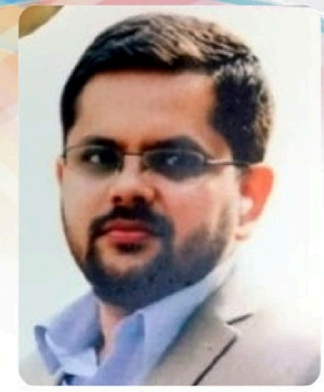

कार्यालय नगर पालिका परिषद, उन्नाव

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

20वाँ राष्ट्रीय कवि सम्मेलन के आयोजन व ई-स्मारिका के प्रकाशन पर देशवासियों/प्रदेशवासियों/नगरवासियों की हार्दिक शुभकामनाएँ, नगर पालिका परिषद, उन्नाव द्वारा नगरवासियों की निम्न सुविधायें उपलब्ध कराई जा रही हैं।

नागरिकों से अपील

स्वच्छ सर्वेक्षण के अन्तर्गत नगर क्षेत्र की साफ–सफाई (सड़कों/गलियों/नाला–नालियों की नियमित सफाई/सिल्ट निस्तारण/डोर–टू–डोर कूड़ा, कलेक्शन/सार्वजनिक/सामुदायिक शौचालयों का निर्माण आदि) एवं उ0प्र0 राज्य ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की नीति के तहत प्लास्टिक के बैगों का उत्पादन विक्रय और उपयोग की पूर्णतः प्रतिबन्धित कर दिया गया है। सभी दुकानदारों थोक विक्रेताओं, ठेलावालों, फेरीवालों सब्जीवालों सहित आम–जनमानस से अपील है कि–

- किसी भी प्रकार के प्लास्टिक/थर्माकोल के बैग, गिलास, कप, प्लेट, थाली आदि का प्रयोग स्वास्थ्य एवं पर्यापरण की दृष्टि के हानिकारक है। इसलिये इसका प्रयोग कदापि न करें।
- प्लास्टिक/थर्माकोल के बैग, गिलास, कप, प्लेट, थाली आदि प्रतिबंधित कर दिये गये हैं। इसका विक्रय व उपयोग वर्जित है।
- प्लास्टिक/थर्माकोल के बैग, गिलास, कप, प्लेट, थाली आदि के सीान पर कपड़े, कागज आदि का प्रयोग मानवहित है। स्वास्थ्य पर्यावरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।
- किसी भी दुकानदार थोक विक्रेता, ठेलावालों, फेरीवालों, फलवालों, सब्जीवालों सहित आम जनमानस द्वारा प्लास्टिक/थर्माकोल के बैग, गिलास, कप, प्लेट, थाली आदि का प्रयोग करते हुए पाये जाने पर उ0प्र0 राज्य ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन की नीति के तहत नियमानुसार जुर्माना लगाया जायेगा।
- घर अथवा दुकान में जनित (Genrate) होने वाले गीला एवं सूखा कूड़ा को अलग–अलग डस्टबीन में एकत्र करें।
- नगर को स्वच्छ रखने के लिये कूड़े को नगर पालिका द्वारा अधिकृत घर–घर से कूड़ा एकत्र करने वाले पालिका कर्मी को ही दें। कूड़े को किसी भी दशा में नाले/नाली, सड़क अथवा खुले स्थान में न फेंके और न ही जलाएं। कूड़ा खुले में फेंकने से गंदगी होती है जो दण्डनीय अपराध है।

डेंगू और मलेरिया से बचाव हेतु उपाय

1. अपने घर के आस–पास नालियों में पानी जमा न होने दें तथा पानी से भरे गड्ढों में मिट्टी भर दें।
2. पानी के बर्तनों, टंकियों आदि को ढंककर रखें।
3. सोते समय कीटनाशक से उपचारित मच्छरदानी का उपयोग करें।
4. हैण्डपम्प के आस–पास सीमेंट से पक्का फर्श व नाली बनवायें। किसी भी स्थिति में कीचड़ व गंदगी न होने पाये।
5. कूलर, पशु–पक्षियों के बर्तन, हौदी (चरही), फ्रीज की ट्रे, फूनदान इत्यादि को प्रत्येक सप्ताह खाली करें व धूप में सुखाकर प्रयोग करें।
6. यदि कपकपी के साथ अचानक सिरदर्द व तेज बुखार एवं बार–बार पसीना आने, मांसपेशियों में दर्द होना, आँखों के पीछे दर्द होना, जी मिचलाना या उल्टी होना, नाक–मुंह–मसूड़ों से खून आना, त्वचा पर चकत्ते उमड़ना आदि लक्षण डेंगू/मलेरिया के हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में चिकित्सक के सलाह लेकर उपचार करायें।

(संजय कुमार गौतम)
अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, उन्नाव

(श्वेता मिश्रा)
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, उन्नाव

माननीय समस्त सदस्यगण

श्रीमती किरन, श्री शिव वीरेन्द्र कुशवाहा, श्री राकेश कुमार, श्रीमती प्रेमा, श्री राजेन्द्र भारतीय, श्रीमती मीरा देवी आर्या, श्रीमती सियादुलारी
श्री रवि कुमार, श्री दिलशाद, श्री निशेष कुमार जायसवाल, श्रीमती शिव कुमारी, श्रीमती गुड़िया सिंह, श्री ओमेन्द्र प्रताप सिंह
श्री सुशील तिवारी, श्री मनोज कुमार, श्रीमती हिना, श्री बृजेश पाण्डेय, श्रीमती लक्ष्मी देवी, श्री सतीश यादव, श्री मोहम्मद फहद
श्री अमित सिंह, श्रीमती करूणा, श्रीमती स्वप्निल, श्री दीपक, श्रीमती रीता सिंह, श्री दिनेश कुमार, श्री अशोक कुमार सिंह
श्री यासीन अहमद, श्रीमती नीलम, श्री मेराजुद्दीन, श्री अरफात बेग, श्रीमती रूकैय्या बेगम।

नगर पालिका परिषद, उन्नाव

कार्यक्रम की झलकियाँ

'सृजन' व शब्दगंगा संस्थान द्वारा आयोजित
काव्य समारोह पर पधारें वाणीपुत्रों व अभ्यागतों का

हार्दिक स्वागत व अभिनन्दन

अखिलेश त्रिवेदी
ग्राफिक डिजाइनर

'सृजन' व शब्दगंगा संस्थान द्वारा आयोजित
काव्य समारोह पर पधारें वाणीपुत्रों व अभ्यागतों का

हार्दिक स्वागत व अभिनन्दन

- सौरभ पाण्डेय ग्राफिक डिजाइनर

'सृजन' व शब्दगंगा संस्थान द्वारा आयोजित
काव्य समारोह पर पधारें वाणीपुत्रों व अभ्यागतों का

हार्दिक स्वागत व अभिनन्दन

अंकित मिश्रा सूरज एडवरटाइजर, उन्नाव

'सृजन' व शब्दगंगा संस्थान द्वारा आयोजित
काव्य समारोह पर पधारें वाणीपुत्रों व अभ्यागतों का

हार्दिक स्वागत व अभिनन्दन

-अजय त्रिवेदी

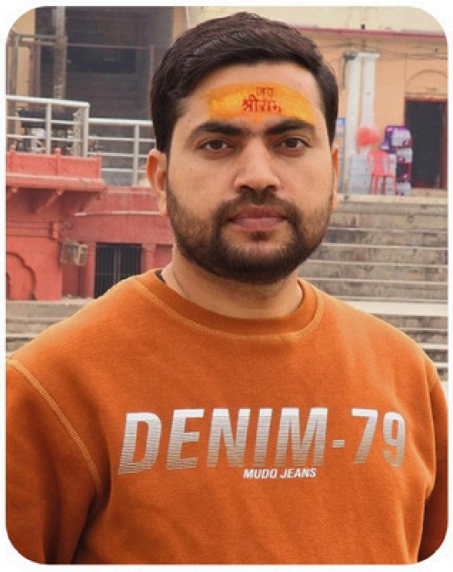

कविता

ओमजी त्रिवेदी
कवि

आगे बढ़ने को सुनना परिहास जरूरी है
राम को राजा बनने को वनवास जरूरी है
जीवन की हर एक घड़ी होती है एक सपन सी
आंखों में हो दया राम सी इच्छा शक्ति लखन सी
सब हो पर सर्वोपरि हो जीवन में सदा मर्यादा
इससे मोलभाव मत करना कुछ कम या कुछ ज्यादा
कुछ करने का अंतस में विश्वास जरूरी है
राम को राजा बनने को बनवास जरूरी है
मन में सत्यता हो तो श्रृष्टि पूरी सहाय हो जाती
इससे ज्यादा और सीख क्या दे सकता संपाती
अंतर क्या है दिखला दो तुम अब चेतन व जड़ में
तुम तो पुष्प उगा सकते हो हर निर्जन पतझड़ में
स्वर्ण है बनना तो वैसा संत्रास जरूरी है
राम को राजा बनने को बनवास जरूरी है
पूर्ण परिश्रम हो तो पूरी होती है हर इच्छा
ज्यों सीता जी लंका में रघुवर की करें प्रतीक्षा
मन को उजला ही रखो शिक्षा लो इक दर्पण से
मन का चाहा मिलता है इच्छाओं के अर्पण से
कल गढ़ना है तो पढ़ना इतिहास जरूरी है
राम को राजा बनने को वनवास जरूरी है

समस्त शब्दगंगा एवं सृजन परिवार को वार्षिक पत्रिका एवं
19वें राष्ट्रीय कवि सम्मेलन की हार्दिक शुभकामनाएं

V Valvoline **NOIDA ENGINEERING & MACHINES** C

H.P. Srivastava

09810040779, 9506812454

Generator Available on Hire,
Annual Operation & Maintenance Contract of D.G. Set
E-mail : hpsrivastava.neam@gmail.com

विद्याज्ञान स्कूल
सैनिक स्कूल

प्रवेश परीक्षा की विशेष तैयारी

Mob.: 8737800900
8738800900

शिव नगर
उन्नाव

सपनों को हकीकत में बदलने की ज़िद
VIBRANT
UNNAO

कविता

एक श्रमजीवी बालक की व्यथा

मेरे हाथों की लकीरों में जो किस्मत लिखता,
मेरे दाता ! मुझे किस बात का रोना होता !
सूखे पत्तों की जमीं पर न जरूरत होती,
पास कथरी या फटा कोई बिछौना होता !!
दब के मलबे में मरा, होता न बापू मेरा,
सपने आंखों में, हाथों में खिलौना होता !
जो गरीबी ने, न बचपन को सताया होता,
कांधे बस्ता और माथे पे, डिठौना होता !
दूध पीते हैं, धनी लोग या श्वान उनके,
मेरे चौके में भरा दूध, भगोना होता ?
द्वार से देते हैं दुत्कार ये हवेली वाले,
ईट गारा जो इन्हें, माथे पे ढोना होता ?
अम्मा पथराई हुई आंखों से तका करती हैं,
खेत में गेहूं की तरह, पैसे भी बोना होता !
बहता है खून औ पसीना मेरा आंसू बनके,
मुझे दो जून की रोटी या चबैना होता !
बद - नसीबी पे मेरी, हंसता है ऊपर बैठा,
काश ! तुझको भी कभी, भूखे ही सोना होता !!
मेरे दाता, मुझे किस बात पे रोना होता !!

- डॉ. शशिरंजना अग्निहोत्री
कवयित्री-उन्नाव

समस्त शब्दगंगा एवं सृजन परिवार को वार्षिक पत्रिका एवं
20वें राष्ट्रीय कवि सम्मेलन की हार्दिक शुभकामनाएं

HARSHIT TRADERS

C-8, Avas Vikas Colony, Unnao

Bhanu Pratap Singh-9415045604
Harsh Pratap Singh-7318018333

हमराज़ टेलर्स

हमारे यहाँ रेडीमेड शूट एवं शेरवानी
तैयार मिलती है व आर्डर देने पर तैयार की जाती है।

प्रो. मो. आरिफ Mob.: 9395651870

शिवपाल सिंह गली, बड़ा चौराहा-उन्नाव

दोहे (सावन)

\- शशि नारायण त्रिपाठी

1.

खुश हैं तीनों देवता, ब्रह्मा विष्णु महेश।
सोम हलाहल पी गए, काटें सबके क्लेश।।

2.

सावन की ठंडी हवा, भरती तन में प्रान।
मानुष तुम होना नहीं, पर इससे अंजान।।

3.

पशु पक्षी होते सुखी, ज्यों कोई त्यौहार।
आखिर सावन ने दिया, इतना उनको प्यार।।

4.

पा लेना आनंद तुम, प्रकृति लुटाती नित्य।
वरना फिर कोई नहीं, जीवन का औचित्य।।

5.

रिमझिम बूंदों से सजी, है मनहर बरसात।
हरियाली चहुं ओर दे, जीने की सौगात।।

6.

आकर सावन देवता, रखते सबकी लाज।
मनभावन सा हो गया, अपना सकल समाज।।

7.

यद्यपि तुम जाते नहीं, शिव जी के घर द्वार।
शिव जी फिर कैसे करें, तेरा बेड़ा पार।।

8.

शिव पूजा से शक्ति है, शिव जी से संसार।
शिव जी खुश होकर करें, भक्तों का उद्धार।।

9.

शिव जी नित्य बना रहे, सबके बिगड़े काम।
श्रद्धा से मिल जाएगा, शशि को भी ईनाम।।

सृजन-शब्दगंगा के वार्षिक काव्योत्सव पर पधारे वाणीपुत्रों/अतिथियों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन।

-देवेन्द्र प्रताप सिंह 'मोनू'

सृजन-शब्दगंगा के वार्षिक काव्योत्सव पर पधारे वाणीपुत्रों/अतिथियों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन।

-आनन्द तिवारी

आदर्श नगर पंचायत बीघापुर की तरफ से 'सृजन व शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान द्वारा आयोजित 20वें राष्ट्रीय कवि सम्मेलन की हार्दिक शुभकामनाएं

75 आज़ादी का अमृत महोत्सव

नगर पंचायत आपसे निम्न अपेक्षाएं करती है

1. जन्म–मृत्यु का पंजीकरण अवश्य करायें।
2. नगर आपका है इसे स्वच्छ बनाने में सहयोग दें।
3. नालियों में कूड़ा व पॉलीथीन न डालें।
4. कूड़ा निर्धारित कूड़ेदान में ही डालें।
5. जलकर व गृहकर की आदायगी समय पर करें।
6. शुष्क शौचालयों को जल प्रवाहित शौचालयों में परिवर्तित करवा लें।
7. पॉलीथीन का विक्रय उपयोग प्रतिबन्धित है, द्वेष सिद्ध होने पर कारावास व जुर्माना हो सकता है।
8. जल ही जीवन है नल की टोटी खुली न छोड़ें।

बीघापुर नगर पंचायत में विकास के आयाम

राजकीय बीज भण्डार का निर्माण, बारातशाला, कान्हा गौशाला, आसय कॉलोनी लाइब्रेरी का निर्माण, तालाबों का सौन्दर्यीकरण, शेष आबादी का विद्युतीकरण, सीमा विस्तार मार्गो में स्ट्रीट लाइट जनरेटर की व्यवस्था, पेयजल के लिए 5 आर.ओ. कूलर व पानी की छोटी टँकिया, मुख्य मार्ग का निर्माण व चौड़ीकरण

नगर पंचायत के बहुमुखी विकास व जरूरतमंद बेसहारा लोगों की मदद के लिए हर पल तत्पर रहकर आप सबके मार्ग दर्शन सहयोग व आशीर्वाद के साथ सेवा के लिए कृत-संकल्पित है।

(संदीप कुमार)
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत, बीघापुर

(सुधीर बाजपेई)
अध्यक्ष–प्रतिनिधि
नगर पंचायत, बीघापुर

(सुशील कुमार बाकुश)
अध्यक्ष
नगर पंचायत, बीघापुर

कार्यक्रम की झलकियाँ

श्री श्री 108 स्वामी जगदीशाश्रम जी महाराज

ग्राम- तोरना, पो. दबौली, फतेहपुर-84

जनपद-उन्नाव

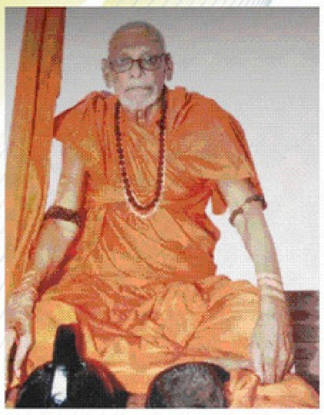

गुरु वन्दना

श्रुति स्मृति पुराणानामात्नयं करुणालयम्।
नमामि भगवत्पादं शंकरं लोक शंकरम्॥
शंकर शंकराचार्य केशवं वादरायणम्।
सूयभाष्य कृतौ वन्दे भगवन्तौ पुनः पुनः॥
ईश्वरो गुरुरात्मेति मूर्ति भेद विभावने।
व्योमवद् व्याप्त देहाय दक्षिणा मूर्तये नमः॥
नारायण समारम्भां शंकरार्चा मध्यमाम्।
अस्मदाचार्य पर्यन्तां वन्दे गुरु परम्पराम्॥

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है कि गत वर्षो की भाँति इस वर्ष भी कलम और तलवार की धनी साहित्यिक नगरी उन्नाव में अन्तर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय साहित्यकार सम्मेलन एवं सृजन स्मारिका का प्रकाशन होने जा रहा है। इस कार्यक्रम के आयोजन की सफलता की मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ।

भवदीय

स्वामी जगदीशाश्रम

तोरना, दबौली, उन्नाव

कविता

राहुल राम द्विवेदी

डायरेक्टर- 2YoDoINDIA News Network

बात जहर की नही थी,
वो तो मैं पी गया।
लोगों को तकलीफ तब हुई,
जब मैं जी गया।
माँ पिता बेटी इन सब पर कवि कविता कह गया,
बस हर बार की तरह बेटा रह गया।
हम बेटो की जिंदगी मे भी बड़े अजीब पड़ाव आते है,
सबसे पहले ये बचपन मे सबका लाडला होता है,
फिर इसी से सब दूर हो जाते है।
16 से 25 की उम्र तानो से कट जाती है,
25 से 30 जिन्दगी उससे डराती है।
और फिर होती है शादी,
और फिर होती है शादी,
तब उससे किसी केक सा काटा जाता है,
एक अकेले लड़के को बेटे और पति में बांटा जाता है।
और फिर आवारा सा ये लड़का दफ्तर से घर का रास्ता ही जानता है,
पता नही कब छोटा सा ये बच्चा खुद को घर का बड़ा मानता है।
अब इसकी जिन्दगी के सब रंग भंग है,
अंधेरा घुप है, बहुत बोलने वाला ये लड़का इन दिनों बिल्कुल चुप है।

सृजन-शब्दगंगा के वार्षिक काव्योत्सव पर पधारे वाणीपुत्रों/अतिथियों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन।

-कुँवर मनीष सिंह 'मोनू'

माँ का आलिंगन

आशीष मिश्रा
(कर सलाहकार)
एडवोकेट

माँ, तू सूरज सी चमकती, रातों को जगाती,
कदमों तले धरती, आँचल में आसमान बिछाती।
तेरी गोद में समंदर, आँसुओं में नदियाँ बहतीं,
हँसी तेरी फूलों सी खिलती, दर्द को चुपके सहतीं।
रात के अंधेरे में तू दीपक जलाती,
भूखे पेट अपनी, मेरे लिए रोटी सजाती।
स्कूल के द्वार पर हाथ हिलाती,
सपनों के पंख देती, उड़ान सिखाती।
तेरी साड़ी के किनारे छिपे हैं राज अनगिनत,
बचपन की शरारतें, जवानी के दर्द सारे।
तेरी आँखों में छिपा है समस्त जग का भला,
मेरी हर गलती को माफ करने की ताकत अपार।
माँ, तू नदी सी बहती, कभी न रुकने वाली,
पत्थरों से टकरा, फिर भी मुस्कुराती।
तेरे बिना ये दुनिया सूनी, बंजर भूमि सी,
तू ही जीवन का सार, तू ही मेरा संसार सी।
आज हाथ चूम लूँ तेरे, सिर झुका लूँ,
तेरी कृपा से ही तो ये जीवन सँवरा लूँ।
माँ, तू अमर रहना, हमेशा साथ निभाना,
तेरे बिना अधूरी है हर साँस, हर प्राण।

समस्त शब्दगंगा एवं सृजन परिवार को वार्षिक पत्रिका एवं
20वें राष्ट्रीय कवि सम्मेलन की हार्दिक शुभकामनाएं

दूल्है राजा
सूटिंग शर्टिंग

श्री शिवपाल सिंह वाली गली
सदर बाजार, उन्नाव

प्रो. संजय गुप्ता Mob.: 9044411000

सृजन-शब्दगंगा के वार्षिक
काव्योत्सव पर पधारे
वाणीपुत्रों/अतिथियों का हार्दिक
स्वागत एवं अभिनन्दन।
-आदर्श शुक्ला

साहित्यिक कार्यक्रम समाज में मानवीय मूल्यों, राष्ट्रीयता और सामाजिक समरसता की भावना को सशक्त बनाते हैं। यहाँ प्रतिभाओं को मंच मिलता है और उनकी रचनात्मकता समाज के सामने आती है। इन आयोजनों के माध्यम से लोगों में पढ़ने और लिखने की अभिरुचि भी बढ़ती है।

अतः कहा जा सकता है कि साहित्यिक कार्यक्रम केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि समाज को शिक्षित, जागरूक और संस्कारित करने का सशक्त माध्यम हैं।

- धर्मेन्द्र मिश्र, अधिवक्ता-उच्च न्यायालय

साहित्य भाषा और विचारों को समृद्ध करता है। यह रचनात्मकता, कल्पनाशक्ति और चिंतनशीलता को बढ़ाता है। साहित्य केवल शिक्षण का साधन ही नहीं, बल्कि मनोरंजन और आत्मिक शांति भी प्रदान करता है।

- डॉ. राजीव सिंह

साहित्यिक कार्यक्रम समाज और संस्कृति का महत्वपूर्ण अंग होते हैं। ऐसे कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य साहित्य, भाषा और संस्कृति के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना तथा नई प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना होता है। इनमें कवि सम्मेलन, काव्य गोष्ठी, नाटक मंचन, कहानी पाठ, पुस्तक विमोचन, संगोष्ठी और व्याख्यान आदि का आयोजन किया जाता है।

साहित्यिक कार्यक्रमों से न केवल साहित्यकारों और पाठकों के बीच संवाद स्थापित होता है, बल्कि समाज में नई सोच और सकारात्मक विचारधारा का प्रसार भी होता है। ये कार्यक्रम हमें हमारी परंपराओं, संस्कृति और भाषा की जड़ों से जोड़ते हैं। साथ ही, साहित्य के माध्यम से मानवीय मूल्यों और सामाजिक सरोकारों को भी बल मिलता है।

- कुलदीप सिंह

साहित्यिक कार्यक्रम किसी समाज की सांस्कृतिक और बौद्धिक धरोहर का महत्वपूर्ण हिस्सा होते हैं। ऐसे कार्यक्रमों में कवि, लेखक, साहित्यकार और साहित्य-प्रेमी एक मंच पर आकर विचारों का आदान-प्रदान करते हैं। यहाँ रचनात्मकता को प्रोत्साहन मिलता है और नए साहित्यकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त होता है।

- मनोज पाण्डेय, शासकीय अधिवक्ता

IN INDIA, BY INDIANS

DEPARTMENT OF ADDITIONAL SOURCES OF ENERGY, GOVERNMENT IN INDIA, BY INDIANS OF UTTAR PRADESH

MSME

MNRE APPROVED

SMA
सोलर

बिजली के बिल से छुटकारा, अपनी बिजली खुद बनायें

ए०सी०, समरसेबल, ट्यूबवेल, आटा चक्की कुछ भी चलायें

सोलर पैनल, बैटरी, इनवर्टर

सब्सिडी का लाभ उठायें

किस्तों में उपलब्ध

On Grid	Off Grid
सोलर पैनल छत पर लगा होता है लेकिन बिजली उत्पादन सरकार को भेज रहा होता है।	आपका अपना पावर बैंक होता है।
जब बिजली आयेगी तभी बिजली रहेगी। बैटरी वैकल्पिक होती है।	24 घण्टे बिजली रहती है। तथा बैटरी के साथ होता है।
जितने किलोवॉट का सैंक्शन लोड होगा, उतना ही लगवा सकते हैं।	आवश्यकतानुसार कितना भी लगवा सकते हैं।
नेट मीटर लगता है, जो आपके उपयोग और उत्पादन दोनों का हिसाब दिखाता है।	नेट मीटर की आवश्यकता नहीं होती।
अधिक उत्पादित बिजली सरकार द्वारा देय होती है।	

- 1 किलोवाट सोलर एक दिन में 3 से 6 यूनिट बिजली बना सकता हैं ।
- ऑफ ग्रिड सोलर में जितने किलोवाट का इन्वर्टर लगा है उसके 70% का लोड डाल सकते हैं।
- ऑन ग्रिड सोलर से आप कितनी बिजली बना रहे और कितनी उपयोग कर रहे इसके अंतर का पैसा/ यूनिट आपको सरकार से लेना /देना होगा ।
- अगर आपने माह में 10 यूनिट बिजली बनाई और 8 यूनिट बिजली का उपयोग किया तो 2 यूनिट का पैसा या 2 यूनिट बिजली सरकार से चार्ज करेंगे ।
- वहीं अगर उत्पादन 8 यूनिट और उपयोग 10 यूनिट हुआ तो आपको 2 यूनिट का पैसा देना होगा ।

WAAREE® One with the Sun

TATA POWER SOLAROOF

EXIDE INDUSTRIES LIMITED

Livguard energy unlimited

LUMINOUS® Enjoy Technology

HAVELLS

UTL सोलर

बन्थरा बाजार, लखनऊ-226401

E-mail: smasolar19@gmail.com Mob.-9335880990

कार्यक्रम की झलकियाँ

महाकवि तुलसी

जय नारायण शुक्ल 'ज्ञानेश'
उन्नाव

हुलसी के सुपुत्र हुए तुलसी,
धरणी हुलसी हुलसी हुलसी।
शशि चांदनी सूरज की किरणें,
घर आंगन की तुलसी हुलसी।
नदियां हुलसी बगिया हुलसी,
हर गांव नगर गलियां हुलसी।
शुभ पावन राम कथा रचिकै,
बसिगे मन मंदिर मा तुलसी।।

१

शुभ पावन राम चरित मानस,
पढ़िकै सुनिकै दुनियां हुलसी।
जहां जानकी वल्लभ दृष्टि पड़े,
नर नारिन की अंखियां हुलसी।
बजरंग बली की पाय कृपा,
तुलसी कवि की कविता हुलसी
शुभ पावन राम कथा रचिकै,
बसिगे मन मन्दिर मा तुलसी।।

समस्त शब्दगंगा एवं सृजन परिवार को वार्षिक पत्रिका एवं
20वें राष्ट्रीय कवि सम्मेलन की हार्दिक शुभकामनाएं

जय माँ वैष्णों ज्वैलर्स

शुद्ध सोने एवं चाँदी के आभूषणों
के निर्माता व विक्रेता

श्री श्रीनाथ
माखी वाले

स्व. पन्नालाल सुनार
'माखी वाले'

कचौड़ी गली, सर्राफा बाजार, उन्नाव

भगवती गैस एजेन्सी

(एच.पी. गैस)

५०४, आदर्श नगर, उन्नाव
Mob.: 9415061949
प्रो. संजय भाटिया

सृजन-शब्दगंगा के वार्षिक
काव्योत्सव पर पधारे
वाणीपुत्रों/अतिथियों का हार्दिक
स्वागत एवं अभिनन्दन।

-रणंजय सिंह 'भोला ठाकुर'

शिक्षा का महत्व

अज्ञान तिमिर मिट जाय सब, ज्ञान का दीप जलाय ।
हित अनहित का बोध हो, नीति की राह दिखाय ।।1।।

वेगारी को जाय मिल, शिक्षा से रूजगार ।
अनपढ़ को शिक्षा मिले, जाये शिष्टाचार ।।2।।

बैसाखी बनि पंगु की, होती उसे सहाय ।
अन्धे की हिय आँख बनि, मारग दरश कराय ।।3।।

चोर चुरा सकता नहीं, भाई न पाय बटाय ।
शिक्षा है अनमोल धन, खर्च करे बढ़ि जाय ।।4।।

शिक्षा जलता दीप है, मनुज अंधेरी रात ।
शिक्षा दीप जलाय जो, सुलझे उलझी बात ।।5।।

अनपढ़ की बोली लगे, ज्यों कौवे की कांव ।
पढ़े-लिखे के बोल यों हो शीतल छांव ।।6।।

शिष्टाचार सिखाय ये, सद-गुण की खान ।
मनुज-मनुज सब एक से, शिक्षा से पहिचान ।।7।।

अनपढ़ मानव का सुनो, जीवन रहे हताश ।
मनुआ अन्धी कोठरी, शिक्षा करे प्रकाश ।।8।।

धन से शिक्षा है बड़ी, धन पीछे मत धोय ।
धन की तू रक्षा करे, शिक्षा तुझे रखाव ।।9।।

जमीं और आकाश का, पद अनपढ़ में फर्क ।
ज्ञानी का चित्त स्वर्ग है, अज्ञानी का नर्क !!10!!

- डॉ. मनिता सिंह

गजल

मुहब्बत में खसारा हो रहा है,
सो यादों से गुजारा हो रहा है।

वो इक टुक चांद को देखे हुए है,
बड़ा दिलकश नजारा हो रहा है।

छुपा था राज जो दुनियां से सारी,
वो मुझ पर आशकारा हो रहा है।

कोई मीठी नदी लाओ इधर अब,
समुन्दर फिर से खारा हो रहा है।

सुना था हो गया है गैर का जो,
बशर वो फिर हमारा हो रहा है।

-डॉ. अनुराग मिश्र 'गैर'
लखनऊ

सृजन-शब्दगंगा के वार्षिक काव्योत्सव पर पधारे वाणीपुत्रों/अतिथियों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन।

-अमिताभ पाल

सृजन द्वारा आयोजित अखिल भारतीय काव्य समारोह पर पधारे वाणी पुत्रों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन!

सृजन-शब्दगंगा के वार्षिक
काव्योत्सव पर पधारे
वाणीपुत्रों/अतिथियों का हार्दिक
स्वागत एवं अभिनन्दन।

-सतीश रावत

सृजन-शब्दगंगा के वार्षिक
काव्योत्सव पर पधारे
वाणीपुत्रों/अतिथियों का हार्दिक
स्वागत एवं अभिनन्दन।

-दिनेश तिवारी

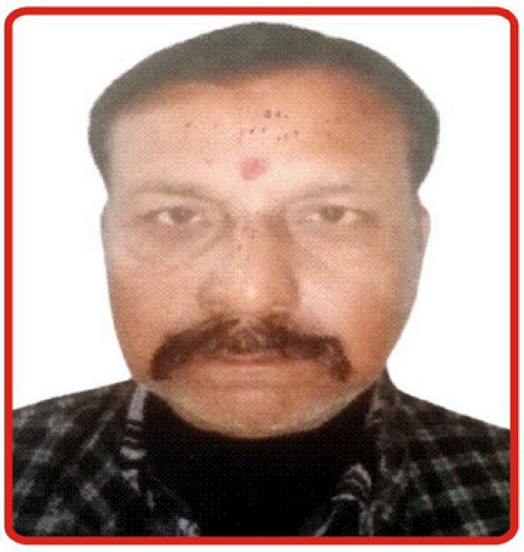

सृजन-शब्दगंगा के वार्षिक
काव्योत्सव पर पधारे
वाणीपुत्रों/अतिथियों का हार्दिक
स्वागत एवं अभिनन्दन।

-सत्यम शुक्ल, अधिवक्ता

सृजन-शब्दगंगा के वार्षिक
काव्योत्सव पर पधारे
वाणीपुत्रों/अतिथियों का हार्दिक
स्वागत एवं अभिनन्दन।

-आशीष मिश्रा, अधिवक्ता

अवध ट्रान्सपोर्ट कं०

हर मांगलिक कार्य, पिकनिक, तीर्थ यात्रा आदि सुअवसरों पर
कैप्सूल लक्जरी डीलक्स व वीडियो कोच बसें। 24 घंटे उपलब्ध हैं।

स्टेशन रोड केदारी मार्केट, उन्नाव

।। जय माता दी ।।

SWATANTRA

प्रो.अखिलेश अवस्थी

Mob.: 9415935104

Ashram
Ice Cream

शादी, पार्टी, में आर्डर हेतु सम्पर्क करें

59, कृष्णा नगर, बाबूगंज- उन्नाव

सृजन-64

जब उजाले

जब उजाले रास्ते भटका रहे हो ,
तो अँधेरी रात को फिर क्या कहें?
धुंध के आकार बढ़ते जा रहे हों ,
तो विषम हालात को फिर क्या कहें?

झील , झरने , नदी , पोखर , जलधि , हिमगिरि ,
प्रकृति के ही जो रहे अब तक सगे हैं।
सूर्य , चंदा , राहु से तो है ग्रसित ही ,
अब धरा पर भी ग्रहण लगने लगे हैं।
मेघ भी अंगार जब बरसा रहे हों -
अग्नि के आघात को फिर क्या कहें ?

दें न पाए प्रकृति को हम सर्जनाएँ ,
तो यहाँ अब स्वर्ग या फिर नर्क क्या है?
रात - दिन में भी न हों जब विषमताएँ ,
चाँद - सूरज में रहा फिर फर्क क्या है?
सृजन के शृंगार घटते जा रहे हों -
मौसमी उत्पात को फिर क्या कहें ?

सभ्यता की मान्यताएँ अब अलग हैं ,
संस्कृति के मूल्य घटते जा रहे हैं।
जो लिखे इतिहास के पन्ने हमारे ,
अर्थ भी उनके बदलते जा रहे हैं।
पश्चिमी वातावरण जब भा रहे हों -
व्यर्थ इल्जामात को फिर क्या कहें ?

रामप्रसाद वर्मा 'सरस'
सि.ला. उन्नाव (उ.प्र.)
मो.9415748595

समस्त शब्दगंगा एवं सृजन परिवार को वार्षिक पत्रिका एवं
19वें राष्ट्रीय कवि सम्मेलन की हार्दिक शुभकामनाएं

पूजा कलेक्शन | पूजा गारमेन्ट्स

Mob.: 9598027000

किड्स वियर मेन्स वियर लेडीज वियर

60, स्टेशन रोड, उन्नाव   28, सब्जी मण्डी, उन्नाव

श्री ज्वैलर्स

हमारे यहाँ शुद्ध सोने व चाँदी के फैन्सी आभूषण
तैयार मिलते हैं एवं थोक व फुटकर विक्रेता

प्रो. तन्नू गुप्ता, अंकित गुप्ता   सतीश चन्द्र

7054724444, 9838126152   9415746466

रसूलाबाद रोड, सफीपुर [निकट कोतवाली], उन्नाव

कविता के नाम पे मजाक मत कीजिए

कैसी-कैसी कविताएँ पढ़ते समाज मध्य,
आपको जरा सी भी हिचक नहीं आती है।
पाण्डाल में है बैठी द्रौपदी पुनीत मानों,
सुनती है कविता बहुत पछताती है।
शारदे स्वरूपा, बेटी, लक्ष्मी भवानी यहाँ,
ऐसी कविताओं से शरम खाये जाती है।
जिनकी कृपा से आप पढ़ते कबित्त यहाँ,
मातु हंसवाहिनी भी क्रोध किये जाती है।
कविता सुनाओ ऐसी, दिलों में निवास करे,
इन कविताओं से सुहास नहीं आती है।
घृणा ही उपजती है ऐसी कवितायें सुन,
ज्ञान रस धारा में असभ्यता न भाती है।
शुचिता सुझाव लिए सभ्यता का समावेश,
करती समाज में वो कविता सुहाती है।
दिन को न रात लिखो, सच को न झूठ कभी,
चोट खाई नैतिकता ये ही समझाती है।
त्याग दो विचार थोथी वाहवाही लूटने का,
बजवानी तालियाँ हैं, ऐसा मत सोचिए।
जागरूक श्रोता गण सम्मुख विराजमान,
श्रवण पियास हेतु कविता परोसिये।
कवि होके तालियों की भीख माँगते क्यों फिरें,
किन्नरों से आप निज तुलना न कीजिए।
तालियों की ख्वाहिशों में चुटकुले सुनाओ नहीं,
कविता के नाम पे, मजाक मत कीजिए।

- उमाशंकर यादव
'निशंक'

प्यारी बहना

मैं छोटा तुमसे फिर भी तुम मुझसे बहस किया करती थी,
मुझे सत्ता कर मुझे चिड़ा करा मेरी उम्र जिया करती थी,

लेकिन जब मैं थक जाता था, ले लेती बस्ता मेरा।
मां ने जब भी मुझको मारा तुमने अपनी पीठ लगा दी,

मुझको रोने दिया कभी न आंखे अपनी कर दी खाली,
मुझको रोशनी दे डाली, सब रख कर अपने पास अंधेरा,

यादो के वो धन उगे जो, कुँवर कलेवे पर बोये थे,
जब तुम घर से विदा हुए तो, मां से ज्यादा हम रोये थे।

गले लगा कर तुम भी, बिलखी जब करने आई पग फेरा।
जब से जब विदा हुए तुम, पतनका फीका लगता सावन।

बहने बहुत है, फिर भी तुम बिन रीता मन का आंगन मन
करता है सभी लूट दु, जितना मेरा पास उजेरा,।

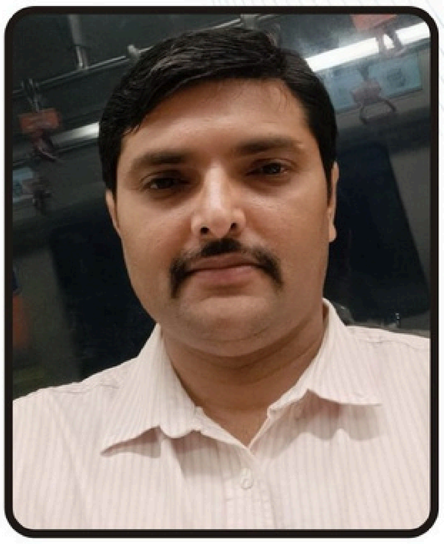

-रामेन्द्र दत्त सोना

सृजन-शब्दगंगा के वार्षिक काव्योत्सव पर पधारे वाणीपुत्रों/अतिथियों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन।

-डॉ. जावेद खलीक

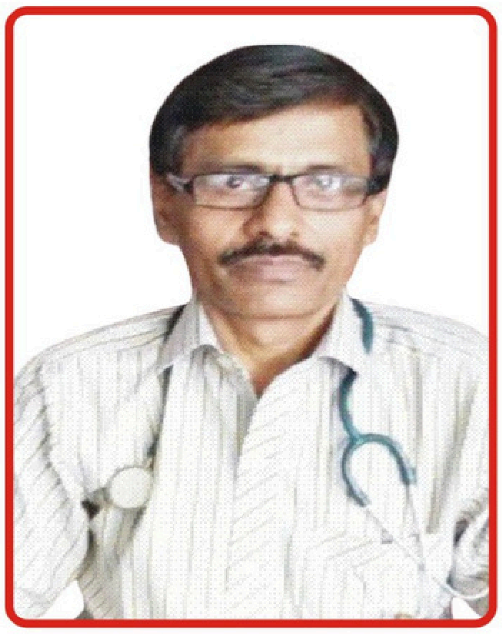

सृजन-शब्दगंगा के वार्षिक
काव्योत्सव पर पधारे
वाणीपुत्रों/अतिथियों का हार्दिक
स्वागत एवं अभिनन्दन।

-राजेश शुक्ला

सृजन-शब्दगंगा के वार्षिक
काव्योत्सव पर पधारे
वाणीपुत्रों/अतिथियों का हार्दिक
स्वागत एवं अभिनन्दन।

-शिवम त्रिपाठी

सृजन-शब्दगंगा के वार्षिक
काव्योत्सव पर पधारे
वाणीपुत्रों/अतिथियों का हार्दिक
स्वागत एवं अभिनन्दन।

-सिद्धान्त अवस्थी

सृजन-शब्दगंगा के वार्षिक
काव्योत्सव पर पधारे
वाणीपुत्रों/अतिथियों का हार्दिक
स्वागत एवं अभिनन्दन।

-रवीन्द्र बाबू

सृजन द्वारा आयोजित अखिल भारतीय काव्य समारोह पर
पधारे वाणी पुत्रों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन!

वसुन्धरा Jewels

A Symbol of Trust

ए-156, आवास विकास कॉलोनी, उन्नाव

9670403333, 9838620000

शाखाएँ :

970, आदर्श नगर, रायबरेली रोड, उन्नाव-209 801

9670888815, 8948444492

MR. CAKE SHAKE BAKERY

PREMIUM QUALITY
MR. CAKE SHAKE
EST. 2020
MADE WITH LOVE

मिस्टर केक शेक बेकरी

बेकर्स, नमकीन, आइसक्रीम

केक/पेस्टी	शेक/जूस	नमकीन
बिस्किट	चिप्स/पापड़	पेस्ट्रीज
क्रीमरोल	कोल्ड्रिंक्स	दूध/दही/मट्ठा
लस्सी	ब्रेड पाव/जीरा	काजू/नान खटाई
छेना/रसगुल्ला	हल्दीराम नमकीन	बालाजी नमकीन
मैगी	स्पेशल समोसा	हल्दीराम अचार

हमारे यहाँ सभी प्रकार के बेकरी उत्पाद, फ्रेश क्रीम केक पेस्ट्रीज, कप केक आदि बिना अण्डे के बनाये जाते हैं।

हमारे यहाँ शादी, बर्थ-डे, पार्टियों, मीटिंग आदि के नाश्ते आदि के आर्डर बुक किये जाते हैं।

SWIGGY

होम डिलीवरी सुविधा उपलब्ध है

Ph.: 0515-7962070, 6306058563

zomato

शब्दगंगा खबरों में

आज, कानपुर 16 नवम्बर 2023

सृजन व शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान के तत्वावधान में 18 को होगा कवि सम्मेलन

तैयारियों को दिया गया अंतिम रूप, नामचीन कवि करेंगे के काव्यपाठ

कार्यक्रम की जानकारी देते संस्था के सदस्य।

■ उत्कृष्ट कार्य करने वाले 101 लोगों का किया जाएगा सम्मान

'फिर गांव याद आया' का हुआ लोकार्पण

शब्द गंगा शुद्धि अभियान के तहत हुई गोष्ठी

(आज समाचार सेवा)

अमर उजाला, कानपुर, सोमवार, 29 जून 2015

भाषा में अश्लीलता न हो

हिन्दुस्तान, सोमवार, 29 जून 2015

वाणी संयम की उपयोगिता सभी जगह होनी चाहिए

स्वरों में धार आए तो धरा की शान बन जाए...

शब्दगंगा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ0 विनय आशु की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न

18 वें कवि सम्मेलन में कवियों ने गीत गजलों की बांधी समा

'काव्यगंगा' का पंचम भव्य आयोजन संपन्न

आज, कानपुर, 1 अप्रैल 2025

शब्दगंगा सृजन द्वारा काव्य गंगा व होली मिलन समारोह का हुआ आयोजन

ब्रह्मांड में शुद्ध एवं सार्थक शब्दों का करें प्रवाह

शब्द गंगा शुद्धि पर वक्ताओं ने विचार व्यक्त कर अभियान चलाने की कही बात

सृजन साहित्यिक एवं सामाजिक सेवा संस्थान द्वारा काव्य गोष्ठी का आयोजन

13वें राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में बही काव्य गंगा

कानपुर, सोमवार, 29 जनवरी 2015

शब्द-गंगा शुद्धि अभियान पर मंथन

फैसले के बाद और मजबूत होगी एकता : मौर्य

वाणी पुत्रों ने काव्यधारा बहा लूटी वाहवाही

कवि विनय आशु के संचालन में 19 वां कवि सम्मेलन व सम्मान समारोह आज

देश के दिग्गज कवियों के साथ एक यादगार शाम

राम मंदिर फैसले से मजबूत होगी एकता की डोर

मर्यादित शब्दों से शुद्ध होगी मन की गंगा

देश के दिग्गज कवियों संग एक यादगार शाम का सफल आयोजन

शब्द प्रदूषण मुक्ति के लिए चलेगा जागरूकता अभियान

शब्दगंगा सृजन के तत्वाधान में कवि सम्मेलन का हुआ आयोजन

आज, कानपुर, 18 जून 2024

त्रैमासिक काव्यगंगा कार्यक्रम में कवियों ने बांधा समा

त्रिदिवसीय साहित्यिक कार्यक्रम आठ से

सृजन साहित्यिक एवं सामाजिक सेवा संस्थान के तत्वाधान में हुआ शब्द गंगा शुद्धि अभियान

शब्दगंगा खबरों में

शब्दगंगा-सृजन का अखिल भारतीय कवि सम्मेलन 1 नवम्बर को...

20वां वार्षिक अखिल भारतीय कवि सम्मेलन 1 नवम्बर को भव्य रूप से आयोजित

परीक्षा परिणाम देख खुशी से झूमे छात्र

अभिभावकों, शिक्षकों ने खिलाई मिठाई, दी बधाई, 225 छात्र-छात्राओं में 223 ने हासिल की सफलता

टापर्स की जुबानी....

बैठक करते पदाधिकारी

1 नवबंर को शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्था का होगा 20 वां कवि सम्मेलन

शब्द गंगा शुद्धि संस्थान एवं सृजन सेवा संस्थान का तीन दिवसीय आयोजन

उन्नाव(एसएनबी)। शब्द गंगा शुद्धि अभियान संस्थान, सृजन साहित्यिक एवं सामाजिक सेवा संस्थान की सम सहभागिता में तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें 8 व 9 नम्बर 19 को निराला प्रेक्षाग्रह में साहित्यकार सम्मेलन एवं साहित्यकारों की भूमिका पर परिचर्चा, पुस्तक लोकार्पण उन्नाव दर्शन यात्रा तथा 10 नवम्बर 19 को उद्‌यन भवन आवास विकास कालोनी में परम्परागत राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया है।

कवि सम्मेलन 10 नवम्बर को

उक्त जानकारी देते हुए संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. विनय शंकर दीक्षित, आशु ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारम्भ 8 नवम्बर 19 को अपरान्ह चार बजे प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य करेगें। संरक्षकीय सानिध्य पंकज गुप्ता सदर विधायक तथा अध्यक्षता डा. महेश चन्द्र मिश्र विधु करेगें। 9 नवम्बर 19 को उन्नाव दर्शन का शुभारम्भ निराला प्रेक्षागृह से प्रातः 8:30 बजे सदर विधायक पंकज गुप्ता करेगें। यात्रा प्रातः 9:30 बजे जानकी कुण्ड, प्रातः 11:30 बजे बदरका, 12:30 बजे बेथर, अपरान्ह 2 बजे बक्सर, 3:30 बजे गढ़ाकोला, सायं 6 बजे कुशहरी पहुंचेगी, यात्रा का स्वागत जानकी कुण्ड में विनोद कुमार त्रिपाठी, बदरका में राजेश शुक्ला पत्रकार, बेथर में हरिसहाय मिन मदन बक्सर में कमलेश व जितेन्द्र प्रताप सिंह, गढ़ाकोला में गौतम दीक्षित, रमेश चन्द्र तिवारी, डा. प्रेम शंकर तथा कुसुम्भी में ब्लाक प्रमुख अरुण सिंह करेगें। 10 नवम्बर 19 को कवि सम्मेलन में डा. रुचि चतुर्वेदी आगरा, कुंवर आलोक सीतापुर, अजय अंजान औरैया, अभिषेक सहज लखनऊ, डा. ज्ञानेन्द्र द्विवेदी सिद्धार्थ नगर, विकास बौखल बाराबंकी, पल्लवी त्रिपाठी नोएडा, अंकित चहल गाजिया बाद आदि उपस्थित रहेगें।

14 से गंगा शुद्धि अभियान

उन्नाव। सृजन साहित्यिक एवं सामाजिक सेवा संस्थान के राष्ट्रीय संयोजक विनय शंकर दीक्षित ने बताया कि जन जागरूकता के उद्‌देश्य से शब्द गंगा शुद्धि अभियान का शुभारंभ गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या से किया जाएगा। कहा कि हमारा मस्तिष्क विचारों का यंत्र है। विचारों का मूर्तरूप उच्चारित शब्द है जो ब्रह्मांड में व्याप्त हो जाते हैं और जिन्हें उच्चारिता करने के पश्चात हम वापस नहीं ले सकते।

आज, कानपुर, 31 दिसम्बर 2024

शब्द गंगा सृजन के तत्वावधान में कार्यक्रम का हुआ आयोजन

कार्यक्रम में मौजूद आयोजक

स्वास्थ्य कर्मियों की मदद को आगे आए संगठन

साहित्यिक संस्था शब्दगंगा सृजन के तत्वावधान में काव्यगंगा का हुआ आयोजन

साहित्य करता है कुरीतियों से बचने के लिए जागरूक

2YODOINDIA NEWS NETWORK

कोई किसी का खास नहीं अब होता है...

शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्था का वार्षिक कवि सम्मेलन 18 को

IBN न्यूज़

IBN NEWS UP

उत्तरप्रदेश / उत्तराखंड

1 नवम्बर को होगा 'सृजन' का 20वां वार्षिक अखिल भारतीय कवि सम्मेलन, साहित्य और समाजसेवा से जुड़े व्यक्तित्व होंगे सम्मानित

काव्यगंगा की श्रृंखला में होली मिलन समारोह हुआ सम्पन्न

शब्दगंगा शुद्धि अभियान व सृजन साहित्यिक सेवा संस्थान के कार्यक्रम में पहुंचे डिप्टी सीएम, कहा-मिसाल पेश करेगा देश

अयोध्या पर फैसले के बाद और बढ़ेगी एकता: केशव

साहित्य, कला, चिकित्सा, योग नृत्य से जुड़ी हस्तियां सम्मानित

नगर पंचायत नवाबगंज की ओर से 'सृजन व शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान
द्वारा आयोजित 20वें राष्ट्रीय कवि सम्मेलन की हार्दिक शुभकामनाएं

आज़ादी का अमृत महोत्सव

नगर पंचायत आपसे निम्न अपेक्षाएं करती है

1. जन्म–मृत्यु का पंजीकरण अवश्य करायें।
2. नगर आपका है इसे स्वच्छ बनाने में सहयोग दें।
3. नालियों में कूड़ा व पॉलीथीन न डालें।
4. कूड़ा निर्धारित कूड़ेदान में ही डालें।
5. जलकर व गृहकर की आदायगी समय पर करें।
6. शुष्क शौचालयों को जल प्रवाहित शौचालयों में परिवर्तित करवा लें।
7. पॉलीथीन का विक्रय उपयोग प्रतिबन्धित है, द्वेष सिद्ध होने पर कारावास व जुर्माना हो सकता है।
8. जल ही जीवन है नल की टोटी खुली न छोड़ें।

नवाबगंज नगर पंचायत में विकास के आयाम

राजकीय बीज भण्डार का निर्माण, बारातशाला, कान्हा गौशाला
आसय कॉलोनी, लाइब्रेरी का निर्माण, तालाबों का सौन्दर्यीकरण
शेष आबादी का विद्युतीकरण, सीमा विस्तार
मार्गो में स्ट्रीट लाइट जनरेटर की व्यवस्था, पेयजल के लिए 5 आर.ओ. कूलर
व पानी की छोटी टँकिया, मुख्य मार्ग का निर्माण व चौड़ीकरण

नगर पंचायत के बहुमुखी विकास व जरूरतमंद बेसहारा लोगों की मदद
के लिए हर पल तत्पर रहकर आप सबके मार्ग दर्शन
सहयोग व आशीर्वाद के साथ सेवा के लिए कृत-संकल्पित है।

(अनिल कुमार)
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत, नवाबगंज

(दिलीप लश्करी)
अध्यक्ष
नगर पंचायत, नवाबगंज

अहं ब्रह्मास्मि

जब जब तुम निराश हुए
अपने जीवन की धूप में
हमने छाँव दिया
ठहराव न आ जाय
जीवन के पड़ाव में
पावों में गति
चित्त में मति
नित्य नव प्रगति
आव्हान दिया
निरन्तर आगे बढ़ते रहने का
ताकि तुम आगे बढ़ सको
नया इतिहास गढ़ सको।
उठो आगे बढ़ो
चढ़ो
ऊपर और ऊपर
तुम्हारा लक्ष्य बुला रहा है
प्रत्यक्ष मुस्कुरा रहा है।
फैलाये बाड़े
बिछाकर पलकों के पॉवड़े
तुम्हें अपनाने को
जरा झाँक कर देखो
पाओगे एक सत्य
अहं ब्रह्मास्मि॥

लेखक
श्रीराम औसान द्विवेदी
'अनुज'

कविता

बचपन की यादों में

-विकास दुबे, उन्नाव

काश कहीं ये हो जाये कि... लौट चलें हम बचपन में
कुछ खट्टी मीठी बातें हों, कुछ मन के मीत पुराने हों
प्यार भरी कुछ ऋतुएं हों, कुछ अपने वो मस्ताने हों।
यादों के झरोखे लौट आएं, हवा बसंती डोल उठे।
मैं फुदक उठु डाली डाली, बचपन चिड़ियों सा बोल उठे।
उन मोहक भोली बातों संग खो जाऊं मैं अपनेपन में।
काश! कहीं ये हो जाए कि, लौट चलें हम बचपन में।
वो दौर पुराना भी क्या था, जब सच्चे साथी मिलते थे।
उसी तोतली बोली में, सब कुछ सच ही वो कहते थे।
न चालाकी की चालें थी, न होशियारी की फुरसत थी।
जो आया मन में बोल दिया, सब वक्त वक्त की किस्मत थी।
समय हाथ से निकल गया... बस यादें हैं भोलेपन की।
काश कहीं ये हो जाये कि... लौट चलें हम बचपन में।
वो पेड़ पे चढ़ना भी क्या था, वो नदी नहाना भी क्या था।
वो छुपा छुपाई भी क्या था .... वो आँख मिचौली भी क्या था।
कभी बांध के लंगड़ी खेला मैं, कभि गिल्ली डंडा की चूम मची।
कभि कुड़ी कूद के भागे हम, कभि कुश्ती की थी धूम मची।
दिल तो कहता है ऐसा, डूब जाऊं प्यारेपन में।
काश कहीं ये हो जाये... कि लौट चलें हम बचपन में।
ओझल से हो गये हैं वो दिन, उस दौर की बातें कहां रहीं।
लोरी सुनके ही सो जाना, मस्ती की रातें कहां रहीं।
वो चाह भरी नजरें बिसरी, बिसर गये हैं वो अपने।
हम अपनों से ही बिछड़ गये, बिखर गये हैं वो सपने।
अब उम्मीदों के सागर हैं, हैं गीत पुराने से पन में
काश कहीं ये हो जाये कि.. लौट चले हम बचपन में।

धन्यवाद दोस्तों।

नगर पंचायत नवाबगंज की ओर से 'सृजन व शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान द्वारा आयोजित 20वें राष्ट्रीय कवि सम्मेलन की हार्दिक शुभकामनाएं

75 आज़ादी का अमृत महोत्सव

नगर पंचायत आपसे निम्न अपेक्षाएं करती है

1. जन्म–मृत्यु का पंजीकरण अवश्य करायें।
2. नगर आपका है इसे स्वच्छ बनाने में सहयोग दें।
3. नालियों में कूड़ा व पॉलीथीन न डालें।
4. कूड़ा निर्धारित कूड़ेदान में ही डालें।
5. जलकर व गृहकर की आदायगी समय पर करें।
6. शुष्क शौचालयों को जल प्रवाहित शौचालयों में परिवर्तित करवा लें।
7. पॉलीथीन का विक्रय उपयोग प्रतिबन्धित है, द्वेष सिद्ध होने पर कारावास व जुर्माना हो सकता है।
8. जल ही जीवन है नल की टोटी खुली न छोड़ें।

बाँगरमऊ नगर पंचायत में विकास के आयाम

राजकीय बीज भण्डार का निर्माण, बारातशाला, कान्हा गौशाला
आसय कॉलोनी, लाइब्रेरी का निर्माण, तालाबों का सौन्दर्यीकरण
शेष आबादी का विद्युतीकरण, सीमा विस्तार
मार्गो में स्ट्रीट लाइट जनरेटर की व्यवस्था, पेयजल के लिए 5 आर.ओ. कूलर
व पानी की छोटी टँकिया, मुख्य मार्ग का निर्माण व चौड़ीकरण

नगर पंचायत के बहुमुखी विकास व जरूरतमंद बेसहारा लोगों की मदद
के लिए हर पल तत्पर रहकर आप सबके मार्ग दर्शन
सहयोग व आशीर्वाद के साथ सेवा के लिए कृत-संकल्पित है।

(सुश्री गुंजन गुप्ता)
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत, बाँगरमऊ

(राम जी)
अध्यक्ष
नगर पंचायत, बाँगरमऊ

नगर पंचायत नवाबगंज की ओर से 'सृजन व शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान द्वारा आयोजित 20वें राष्ट्रीय कवि सम्मेलन की हार्दिक शुभकामनाएं

75 आज़ादी का अमृत महोत्सव

नगर पंचायत आपसे निम्न अपेक्षाएं करती है

1. जन्म–मृत्यु का पंजीकरण अवश्य करायें।
2. नगर आपका है इसे स्वच्छ बनाने में सहयोग दें।
3. नालियों में कूड़ा व पॉलीथीन न डालें।
4. कूड़ा निर्धारित कूड़ेदान में ही डालें।
5. जलकर व गृहकर की आदायगी समय पर करें।
6. शुष्क शौचालयों को जल प्रवाहित शौचालयों में परिवर्तित करवा लें।
7. पॉलीथीन का विक्रय उपयोग प्रतिबन्धित है, द्वेष सिद्ध होने पर कारावास व जुर्माना हो सकता है।
8. जल ही जीवन है नल की टोटी खुली न छोड़ें।

न्योतनी नगर पंचायत में विकास के आयाम

राजकीय बीज भण्डार का निर्माण, बारातशाला, कान्हा गौशाला
आसय कॉलोनी, लाइब्रेरी का निर्माण, तालाबों का सौन्दर्यीकरण
शेष आबादी का विद्युतीकरण, सीमा विस्तार
मार्गो में स्ट्रीट लाइट जनरेटर की व्यवस्था, पेयजल के लिए 5 आर.ओ. कूलर
व पानी की छोटी टँकिया, मुख्य मार्ग का निर्माण व चौड़ीकरण

नगर पंचायत के बहुमुखी विकास व जरूरतमंद बेसहारा लोगों की मदद
के लिए हर पल तत्पर रहकर आप सबके मार्ग दर्शन
सहयोग व आशीर्वाद के साथ सेवा के लिए कृत-संकल्पित है।

(रोहित कुमार)
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत, न्योतनी

(ओम प्रकाश)
अध्यक्ष
नगर पंचायत, न्योतनी

‘सृजन’ व शब्दगंगा संस्थान द्वारा आयोजित
काव्य समारोह पर पधारें वाणीपुत्रों व अभ्यागतों का

हार्दिक स्वागत व अभिनन्दन

प्रोफेसर मनोज श्रीवास्तव

समाजसेवी

‘सृजन’ व शब्दगंगा संस्थान द्वारा आयोजित
काव्य समारोह पर पधारें वाणीपुत्रों व अभ्यागतों का

हार्दिक स्वागत व अभिनन्दन

चन्द्रशेखर शुक्ला

प्रो. पूनम यादव
9795361764

Mob.: 8400920723, 7007459671
7007459671

श्री बाबा बर्फानी एल्युमिनियम एण्ड हार्डवेयर, स्टील

थोक एवं फुटकर विक्रेता

पता-निकट कब्बाखेड़ा, हनुमान मन्दिर तिराहा, लोक नगर रोड-उन्नाव

कविता

सीखना सबको बहुत कुछ है यहां संसार से

सीखना सबको बहुत कुछ है यहाँ संसार से ।
हर कोई उलझा हुआ है रोज इक व्यवहार से ॥

जिंदगी को तौल मत आकार में रख दूरियां,
मत बदल इंसानियत को जात या दरबार से ।

रौशनी मिलती नहीं उजियार से हर दीप के ,
दिल चमकते हैं यहाँ तो प्रेम के उपहार से ।

चोट खाकर भी यहां अब लोग धोखा खा रहे,
फर्ज खुद का भूल बैठे लोग अब व्यापार से ।

स्वार्थीपन और लालच बस गया है रूह में ,
रिश्ते भी नापे गए अब लाभ और आकार से ।

डर दबावों में कभी भी प्रेम पलता है नहीं,
प्यार सच्चा मिल नहीं सकता कभी हथियार से।

खून के रिश्ते बिछुड़कर भी बसे दिल में रहें,
मोह माया छूटता शराहीश नहीं घर बार से ॥

-राकेश तिवारी 'राही'

शब्दगंगा बड़े निरंतर

(डॉ. विनय शंकर दीक्षित 'आशु' को समर्पित)

शब्दगंगा बहे निरंतर,
शुद्ध भावों की धारा बनकर।
आशु जी के संग हम सब चलें,
भारत-माँ का नारा बनकर॥

शब्दगंगा बहे निरंतर... ॥

शब्दों में शक्ति, शब्दों में ज्योति,
शब्दों में जीवन का गीत।
आशु ने दिखलाई राह नई,
बोले सत्य, सजग, अनीत॥

भाषा की यह पूजा बनकर,
जनमन में उजियारा बनकर॥

शब्दगंगा बहे निरंतर... ॥

हिन्दी का गौरव जग में फैले,
संस्कारों की गूँजे तान।
शुद्धि का यह शुभ अभियान,
बन जाए जनजन की पहचान॥

आओ सब मिल करें प्रण यह,
शब्द बनें अब संस्कार बनकर॥

शब्दगंगा बहे निरंतर... ॥

नगर पंचायत नवाबगंज की ओर से 'सृजन व शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान द्वारा आयोजित 20वें राष्ट्रीय कवि सम्मेलन की हार्दिक शुभकामनाएं

75 आज़ादी का अमृत महोत्सव

नगर पंचायत आपसे निम्न अपेक्षाएं करती है

1. जन्म–मृत्यु का पंजीकरण अवश्य करायें।
2. नगर आपका है इसे स्वच्छ बनाने में सहयोग दें।
3. नालियों में कूड़ा व पॉलीथीन न डालें।
4. कूड़ा निर्धारित कूड़ेदान में ही डालें।
5. जलकर व गृहकर की आदायगी समय पर करें।
6. शुष्क शौचालयों को जल प्रवाहित शौचालयों में परिवर्तित करवा लें।
7. पॉलीथीन का विक्रय उपयोग प्रतिबन्धित है, द्वेष सिद्ध होने पर कारावास व जुर्माना हो सकता है।
8. जल ही जीवन है नल की टोटी खुली न छोड़ें।

सफीपुर नगर पंचायत में विकास के आयाम

राजकीय बीज भण्डार का निर्माण, बारातशाला, कान्हा गौशाला
आसय कॉलोनी, लाइब्रेरी का निर्माण, तालाबों का सौन्दर्यीकरण
शेष आबादी का विद्युतीकरण, सीमा विस्तार
मार्गो में स्ट्रीट लाइट जनरेटर की व्यवस्था, पेयजल के लिए 5 आर.ओ. कूलर
व पानी की छोटी टँकिया, मुख्य मार्ग का निर्माण व चौड़ीकरण

नगर पंचायत के बहुमुखी विकास व जरूरतमंद बेसहारा लोगों की मदद
के लिए हर पल तत्पर रहकर आप सबके मार्ग दर्शन
सहयोग व आशीर्वाद के साथ सेवा के लिए कृत-संकल्पित है।

(विनीत श्रीवास्तव)
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत, सफीपुर

(गरिमा बाजपेयी)
अध्यक्ष
नगर पंचायत, सफीपुर

नगर पंचायत नवाबगंज की ओर से 'सृजन व शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान द्वारा आयोजित 20वें राष्ट्रीय कवि सम्मेलन की हार्दिक शुभकामनाएं

75 आज़ादी का अमृत महोत्सव

नगर पंचायत आपसे निम्न अपेक्षाएं करती है

1. जन्म–मृत्यु का पंजीकरण अवश्य करायें।
2. नगर आपका है इसे स्वच्छ बनाने में सहयोग दें।
3. नालियों में कूड़ा व पॉलीथीन न डालें।
4. कूड़ा निर्धारित कूड़ेदान में ही डालें।
5. जलकर व गृहकर की आदायगी समय पर करें।
6. शुष्क शौचालयों को जल प्रवाहित शौचालयों में परिवर्तित करवा लें।
7. पॉलीथीन का विक्रय उपयोग प्रतिबन्धित है, द्वेष सिद्ध होने पर कारावास व जुर्माना हो सकता है।
8. जल ही जीवन है नल की टोटी खुली न छोड़ें।

ऊगू नगर पंचायत में विकास के आयाम

राजकीय बीज भण्डार का निर्माण, बारातशाला, कान्हा गौशाला
आसय कॉलोनी, लाइब्रेरी का निर्माण, तालाबों का सौन्दर्यीकरण
शेष आबादी का विद्युतीकरण, सीमा विस्तार
मार्गो में स्ट्रीट लाइट जनरेटर की व्यवस्था, पेयजल के लिए 5 आर.ओ. कूलर
व पानी की छोटी टँकिया, मुख्य मार्ग का निर्माण व चौड़ीकरण

नगर पंचायत के बहुमुखी विकास व जरूरतमंद बेसहारा लोगों की मदद
के लिए हर पल तत्पर रहकर आप सबके मार्ग दर्शन
सहयोग व आशीर्वाद के साथ सेवा के लिए कृत-संकल्पित है।

(राजेन्द्र कुमार दुबे)
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत, ऊगू

(अनीता)
अध्यक्ष
नगर पंचायत, ऊगू

HARSHIT GROUP

क्यों की हम भविष्य की अहमियत समझते हैं

Harshit Industries
Pipe manufacturers

Harshit Traders home solutions
Wholesale - Submersible pumps & pipe fittings

Harshit Enterprises
Building expert & borewell

Shreya Enterprises
Road and borewell experts

Harsh pratap singh
8419888818

Bhanu pratap singh
9415045604

'सृजन' व शब्दगंगा संस्थान द्वारा आयोजित
काव्य समारोह पर पधारें वाणीपुत्रों व अभ्यागतों का

Suraj
UNNAO

Ph.-8896611381

अंकित मिश्रा

Mob.: 9415076101

'सृजन व शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान द्वारा आयोजित
20वें राष्ट्रीय कवि सम्मेलन की हार्दिक शुभकामनाएं

Aqua Shachi
PACKAGED DRINKING WATER

मेसर्स आरती फूड एण्ड बेवरेज़ेज

सची पैकेज़्ड ड्रिन्किंग वाटर

मो.: 7309875555, 9838045000

हमारे यहाँ शादी पार्टी एवं अन्य कार्यक्रमों में
आर0ओ0 पानी सप्लाई की सुविधा उपलब्ध है।

स्थान : ए-104, आवास विकास कॉलोनी, उन्नाव-209801 (उ0प्र0)

॥ जय मां पिताम्बरा ॥

मशहूर दूध के पेड़े एवं शुद्ध देशी घी द्वारा निर्मित मिठाइयाँ

जमुना

पेड़े वाला

(मशहूर दूध के पेड़े)

खुशी का साथ
पेड़े का स्वाद...

9628212199
8181813996

आवास विकास बाईपास चौराहा (निकट माननीय बृजेश पाठक आवास) - उन्नाव

नगर पंचायत भगवन्त नगर की ओर से 'सृजन व शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान द्वारा आयोजित 20वें राष्ट्रीय कवि सम्मेलन की हार्दिक शुभकामनाएं

75 आज़ादी का अमृत महोत्सव

नगर पंचायत आपसे निम्न अपेक्षाएं करती है

1. जन्म–मृत्यु का पंजीकरण अवश्य करायें।
2. नगर आपका है इसे स्वच्छ बनाने में सहयोग दें।
3. नालियों में कूड़ा व पॉलीथीन न डालें।
4. कूड़ा निर्धारित कूड़ेदान में ही डालें।
5. जलकर व गृहकर की आदायगी समय पर करें।
6. शुष्क शौचालयों को जल प्रवाहित शौचालयों में परिवर्तित करवा लें।
7. पॉलीथीन का विक्रय उपयोग प्रतिबन्धित है, द्वेष सिद्ध होने पर कारावास व जुर्माना हो सकता है।
8. जल ही जीवन है नल की टोटी खुली न छोड़ें।

भगवन्तनगर पंचायत में विकास के आयाम

राजकीय बीज भण्डार का निर्माण, बारातशाला, कान्हा गौशाला
आसय कॉलोनी, लाइब्रेरी का निर्माण, तालाबों का सौन्दर्यीकरण
शेष आबादी का विद्युतीकरण, सीमा विस्तार
मार्गो में स्ट्रीट लाइट जनरेटर की व्यवस्था, पेयजल के लिए 5 आर.ओ. कूलर
व पानी की छोटी टँकिया, मुख्य मार्ग का निर्माण व चौड़ीकरण

नगर पंचायत के बहुमुखी विकास व जरूरतमंद बेसहारा लोगों की मदद के लिए हर पल तत्पर रहकर आप सबके मार्ग दर्शन सहयोग व आशीर्वाद के साथ सेवा के लिए कृत-संकल्पित है।

(प्रदीप कुमार पाण्डेय)
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत, भगवन्तनगर

(आशीष कुमार शुक्ल)
अध्यक्ष
नगर पंचायत, भगवन्त नगर

गीत गाती हूँ तो गीत गाती रहूँ,
प्रेम तुमसे किया तो निभाती रहूँ,
लाख तूफान हो जिन्दगी में मगर,
संग तुम्हारे सदा मुस्कुराती रहूँ स

–श्रद्धा पाण्डेय

सृजन-शब्दगंगा के वार्षिक काव्योत्सव पर पधारे वाणीपुत्रों/अतिथियों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन।

-विमल जायसवाल

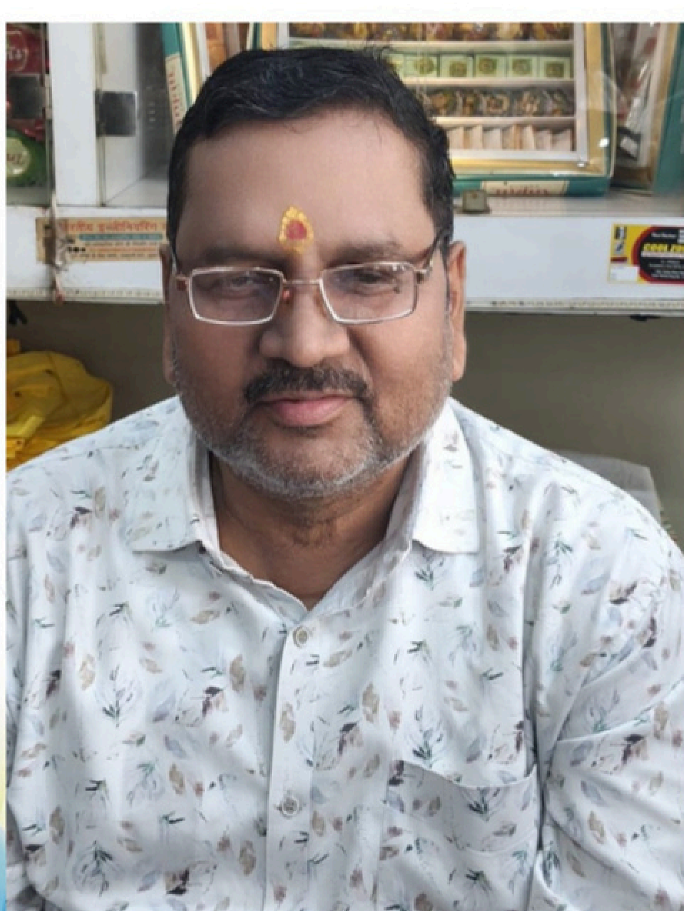

Home delivery Free
OUT DOOR CATERING

Hotel Shiva Inn

Wedding, Tilak, Mundan, Ring Ceremony
Birthday, Meeting, Seminars etc.

6393310331, 6393319391, 9956070278

Shiv Nagar, Byepass Tiraha, Unnao (U.P.) - 209801

निखिल प्रकाशन समूह

आगरा, उ.प्र.

मोहन मुरारी शर्मा-9451009531-38

asianpaints

Devendra P Singh

7668023642

Manglam H/W & Paints

C-200, Avas Vikash, Unnao

नगर पालिका परिषद गंगाघाट की ओर से 'सृजन व शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान द्वारा आयोजित 20वें राष्ट्रीय कवि सम्मेलन की हार्दिक शुभकामनाएं

75 आज़ादी का अमृत महोत्सव

नगर पंचायत आपसे निम्न अपेक्षाएं करती है

1. जन्म-मृत्यु का पंजीकरण अवश्य करायें।
2. नगर आपका है इसे स्वच्छ बनाने में सहयोग दें।
3. नालियों में कूड़ा व पॉलीथीन न डालें।
4. कूड़ा निर्धारित कूड़ेदान में ही डालें।
5. जलकर व गृहकर की आदायगी समय पर करें।
6. शुष्क शौचालयों को जल प्रवाहित शौचालयों में परिवर्तित करवा लें।
7. पॉलीथीन का विक्रय उपयोग प्रतिबन्धित है, द्वेष सिद्ध होने पर कारावास व जुर्माना हो सकता है।
8. जल ही जीवन है नल की टोटी खुली न छोड़ें।

गंगाघाट नगर पालिका परिषद में विकास के आयाम

राजकीय बीज भण्डार का निर्माण, बारातशाला, कान्हा गौशाला
आसय कॉलोनी, लाइब्रेरी का निर्माण, तालाबों का सौन्दर्यीकरण
शेष आबादी का विद्युतीकरण, सीमा विस्तार
मार्गों में स्ट्रीट लाइट जनरेटर की व्यवस्था, पेयजल के लिए 5 आर.ओ. कूलर
व पानी की छोटी टँकिया, मुख्य मार्ग का निर्माण व चौड़ीकरण

नगर पंचायत के बहुमुखी विकास व जरूरतमंद बेसहारा लोगों की मदद
के लिए हर पल तत्पर रहकर आप सबके मार्ग दर्शन
सहयोग व आशीर्वाद के साथ सेवा के लिए कृत-संकल्पित है।

(मुकेश मिश्रा)
अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, गंगाघाट

(कौमुदी पाण्डेय)
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, गंगाघाट

शब्दों की शुचिता हमारे व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह हमें स्पष्टता, विश्वसनीयता, सकारात्मक संबंध, बेहतर मानसिक स्वास्थ्य और प्रभावी संचार प्रदान करती है।

अतः शब्दगंगा अभियान के साथ मिलकर इसे आगे बढ़ाए

- अचल तिवारी

साहित्यिक कार्यक्रम विचारों के आदान-प्रदान का मंच प्रदान करते हैं। कवि सम्मेलन, गोष्ठी, काव्य पाठ, पुस्तक विमोचन अथवा संगोष्ठी जैसे आयोजनों से नई पीढ़ी में साहित्य के प्रति रुचि उत्पन्न होती है और समाज में संवेदनशीलता तथा जागरूकता का विस्तार होता है।

वर्तमान समय में जब जीवन भागदौड़ और तकनीकी साधनों में सीमित होता जा रहा है, साहित्यिक कार्यक्रम मानसिक संतुलन, बौद्धिक विकास और सामाजिक एकता को मजबूत बनाने का माध्यम सिद्ध होते हैं।

- अजय शुक्ल (गायत्री ट्रेडर्स)

शब्दों की शुचिता से भावों व विचारों में भी शुचिता आयेगी।
अतः शब्दगंगा अभियान के सहभागी बने।

- अजय श्रीवास्तव

हमारा दायित्व है कि ब्रह्माण्ड में शुद्ध एवं सार्थक शब्द ही प्रवाहित करें और अपशब्दों के प्रयोग से बचें। शुद्ध शब्दों के प्रयोग से भाषा में स्पष्टता, प्रभावशीलता और गरिमा आती है।

अतः शब्दगंगा अभियान के सहभागी बने।

- अखिलेश शुक्ला

साहित्यिक कार्यक्रम हमारे समाज और संस्कृति का दर्पण होते हैं। ऐसे आयोजनों में कवि, लेखक और साहित्य प्रेमी एक साथ आकर अपने विचार, अनुभव और रचनाएँ साझा करते हैं। इससे नई प्रतिभाओं को मंच मिलता है और पाठकों को साहित्य की नई धारा से परिचित होने का अवसर प्राप्त होता है। साहित्यिक कार्यक्रम न केवल मनोरंजन का साधन हैं, बल्कि समाज में जागरूकता, संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों को भी प्रोत्साहित करते हैं। ऐसे कार्यक्रम हमारी भाषा और साहित्य को जीवित रखने के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करने का कार्य भी करते हैं।

- अशोक द्विवेदी, एडवोकेट

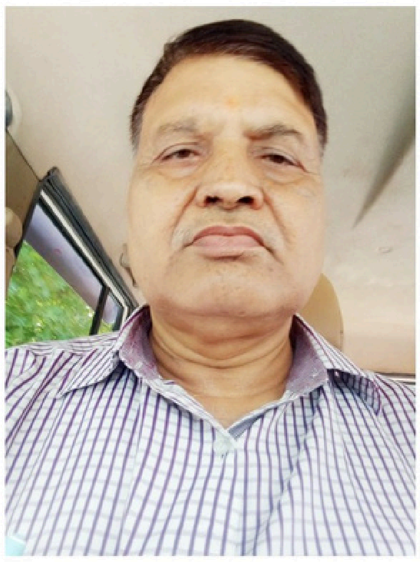

साहित्य समाज का दर्पण है या यूँ कहें कि साहित्य समाज की अभिव्यक्ति है।
साहित्य और समाज का पारस्परिक सम्बन्ध है।

- लक्ष्मीकान्त पाण्डेय

साहित्य में समाज के व्यापक हित की भावना उपस्थित होती है। साहित्य में रमणीयता, सौन्दर्य का तत्व आवश्यक है।

-मनोज मिश्रा

साहित्यिक कार्यक्रम समाज और संस्कृति को नई दिशा देने का महत्वपूर्ण माध्यम है। ऐसे आयोजनों में साहित्यकार, कवि, लेखक और पाठक एक साथ मिलकर विचारों का आदान-प्रदान करते हैं। कविता पाठ, कहानी वाचन, नाटक और विचार गोष्ठी जैसे विविध कार्यक्रम प्रतिभागियों की सृजनात्मकता को उजागर करते हैं। इससे न केवल साहित्य प्रेमियों को प्रोत्साहन मिलता है बल्कि नई पीढ़ी भी अपनी भाषा, संस्कृति और परंपरा से जुड़ाव महसूस करती है।

साहित्यिक कार्यक्रम मानव संवेदनाओं को अभिव्यक्ति देने का सशक्त मंच है, जो समाज में जागरूकता, भाईचारा और सकारात्मक सोच का संचार करता है।

- भगवान वत्स सिंह चन्देल अध्यक्ष-सृजन

साहित्यिक कार्यक्रम समाज और संस्कृति को नई दिशा देने वाले हत्वपूर्ण आयोजन होते हैं। ऐसे कार्यक्रमों में साहित्यकार, कवि, लेखक और ठक एक साथ मिलकर साहित्य के विविध आयामों पर विचार-विमर्श करते हैं। विता-पाठ, कहानी-वाचन, विचार-गोष्ठी और पुस्तक-प्रदर्शनियों के माध्यम न केवल साहित्य का प्रचार-प्रसार होता है, बल्कि नई पीढ़ी को भी अपनी ांस्कृतिक धरोहर से जुड़ने का अवसर मिलता है।

अतः शब्दगंगा अभियान के सहभागी बने।

- अशोक कुमार 'मुन्ना सिंह'
राष्ट्रीय संगठन प्रभारी

साहित्य समाज का दर्पण है या यूँ कहें कि

साहित्य समाज की अभिव्यक्ति है।

साहित्य और समाज का पारस्परिक सम्बन्ध है।

- अशोक चौधरी

साहित्य समाज का दर्पण होता है और साहित्यिक कार्यक्रम उसकी जीवंत झलक। ऐसे आयोजनों में कवि, लेखक, साहित्यकार तथा पाठक एक ही मंच पर आकर विचारों का आदान-प्रदान करते हैं। यह केवल मनोरंजन का साधन नहीं बल्कि ज्ञान-वृद्धि और सांस्कृतिक चेतना का माध्यम भी है।

अतः शब्दगंगा अभियान के सहभागी बने। **- देवशंकर वर्मा**

साहित्य केवल शब्दों का मेल नहीं, बल्कि समाज की आत्मा का आईना है। साहित्यिक कार्यक्रमों के माध्यम से विचारों का आदान-प्रदान होता है, नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक धरोहर से जोड़ने का अवसर मिलता है और सृजनशीलता को नई दिशा मिलती है।

- नीरज निगम

साहित्यिक कार्यक्रम समाज और संस्कृति की जीवंत धरोहर होते हैं। ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से साहित्यकार, कवि, लेखक तथा पाठक एक ही मंच पर एकत्रित होते हैं और अपने विचारों, रचनाओं तथा अनुभवों को साझा करते हैं। इन आयोजनों से साहित्य के विविध रूप जैसे कविता, कहानी, उपन्यास, निबंध, नाटक और आलोचना को नई ऊर्जा मिलती है।

साहित्यिक कार्यक्रम केवल मनोरंजन का साधन नहीं होते, बल्कि यह सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों को भी मजबूत बनाते हैं। इनमें नई पीढ़ी को साहित्य से जुड़ने और अपनी रचनात्मक प्रतिभा को निखारने का अवसर मिलता है। साहित्यकार अपनी लेखनी के माध्यम से समाज की समस्याओं, उसकी खुशियों और संघर्षों को प्रस्तुत करते हैं, जिससे समाज में जागरूकता फैलती है।

- निम्मी अरोड़ा जी

राष्ट्रीय अध्यक्षा-शब्दगंगा महिला प्रकोष्ठ

साहित्यिक आयोजनों से न केवल भाषा और साहित्य का विकास होता है बल्कि समाज में नैतिक, सांस्कृतिक और मानवीय मूल्यों का भी प्रसार होता है। साहित्यिक कार्यक्रम हमें अपनी जड़ों से जोड़ते हैं और जीवन को नई दिशा देने की प्रेरणा प्रदान करते हैं।

- प्रदीप श्रीवास्तव, शासकीय अधिवक्ता

साहित्य की परिभाषा गणित की तरह वस्तुनिष्ठ नहीं हो सकती
क्योंकि साहित्य का सम्बन्ध सौन्दर्यशास्त्र
और आत्मनिष्ठा से है।
साहित्य-सृजन से सकारात्मकता का संचार होता है

- आर०पी० तिवारी

साहित्यिक कार्यक्रम समाज के सांस्कृतिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा होते हैं। इनमें कवि, लेखक, साहित्यकार तथा पाठक एक साथ मिलकर साहित्य की समृद्ध परंपरा का उत्सव मनाते हैं। ऐसे आयोजनों में कविता-पाठ, कहानी-वाचन, विचार-गोष्ठी और पुस्तकों का विमोचन होता है, जिससे साहित्य के नए आयामों को समझने और अपनाने का अवसर मिलता है।

- राजकपूर वर्मा

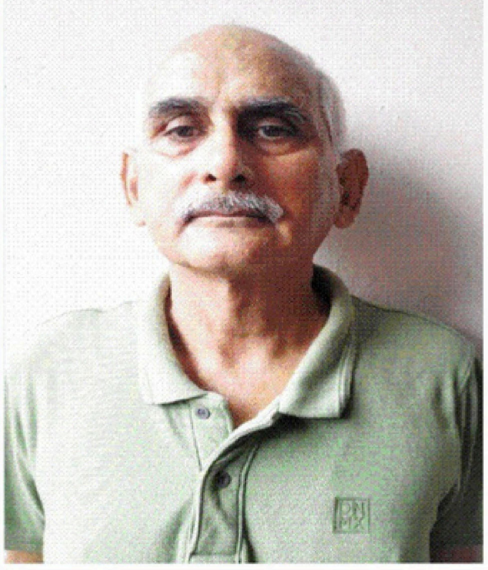

साहित्य में समाज के व्यापक हित की भावना उपस्थित होती है। साहित्य में रमणीयता, सौन्दर्य का तत्व आवश्यक है।

-राकेश कुमार मिश्र, उपाध्यक्ष-सृजन

साहित्यिक कार्यक्रम समाज और संस्कृति का दर्पण होते हैं। ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से साहित्यकार, कवि, लेखक और पाठक एक साथ मिलकर विचारों का आदान-प्रदान करते हैं। इनमें कविता पाठ, कहानी वाचन, नाटक मंचन और विचार गोष्ठियाँ शामिल होती हैं।

साहित्यिक कार्यक्रम न केवल मनोरंजन का माध्यम होते हैं, बल्कि वे समाज को जागरूक करने और मानवीय संवेदनाओं को जीवित रखने का कार्य भी करते हैं। इससे नई प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिलता है और साहित्यिक परंपराएँ जीवित रहती हैं।

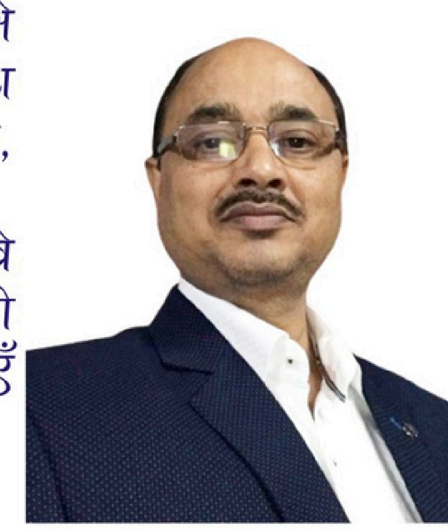

- राकेश सिंह, एडवोकेट

साहित्य हमें विभिन्न समाजों और संस्कृतियों के बारे में जानकारी प्रदान करता है, जिससे हमारी सामाजिक और सांस्कृतिक समझ बढ़ती है। साहित्य के माध्यम से हमारी शब्दावली, व्याकरण, और लेखन कौशल में सुधार होता है।
अतः शब्दगंगा अभियान के सहभागी बने।

- रमाशंकर मिश्र

साहित्य मनुष्य के हृदय को संवेदनशील बनाता है। यह करुणा, दया, प्रेम, भाईचारा, सहिष्णुता जैसे मूल्यों का संचार करता है। स्वतंत्रता संग्राम के समय साहित्य ने लोगों को देशभक्ति और त्याग के लिए प्रेरित किया। आज भी साहित्य लोगों को सकारात्मक सोच और जिम्मेदारी की ओर अग्रसर करता है।

- संजय गुप्ता

साहित्य मानव जीवन का दर्पण माना जाता है। यह केवल शब्दों का मेल नहीं, बल्कि समाज की संस्कृति, विचार और भावनाओं का सुंदर चित्रण है। साहित्य के माध्यम से हमें ज्ञान, प्रेरणा और आनंद मिलता है। कविता, कहानी, नाटक, उपन्यास आदि सभी विधाएँ मिलकर साहित्य को पूर्ण बनाती हैं। यह समाज को दिशा दिखाने के साथ-साथ मानवता के मूल्यों को भी जीवित रखता है।

- संजीव सिंह चौहान

शुद्ध और सकारात्मक शब्दों का उपयोग व्यक्ति को प्रेरित करता है,
उन्हें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करता है
और सफलता की संभावना को बढ़ाता है।
अतः शब्दगंगा अभियान के सहभागी बनें।

- संजीव त्रिवेदी, अधिवक्ता

साहित्यिक कार्यक्रमों से न केवल प्रतिभाओं को मंच मिलता है, बल्कि समाज में रचनात्मकता और संवेदनशीलता भी विकसित होती है। यह हमारे सांस्कृतिक मूल्यों को सहेजने और नई पीढ़ी को प्रेरित करने का एक सशक्त माध्यम है। इसलिए साहित्यिक कार्यक्रम ज्ञान-वर्धन, मनोरंजन और सामाजिक जागरूकता- तीनों ही दृष्टियों से अत्यंत महत्त्वपूर्ण होते हैं।

- सतीश राजपाल 'गुल्लू'

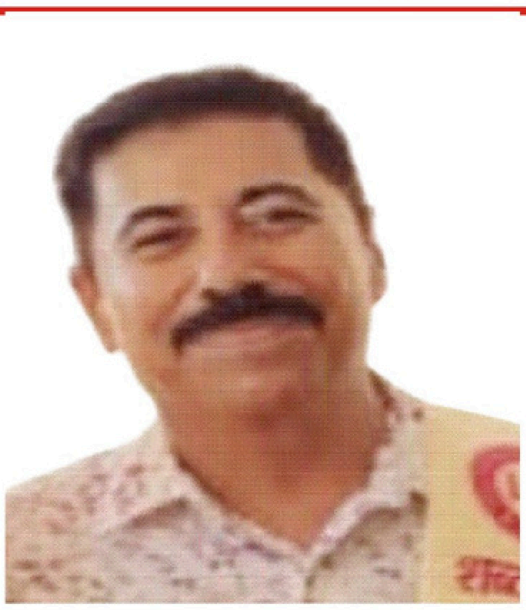

साहित्य से हमें ज्ञान, मनोरंजन, और अनुभव मिलता है।
यह हमारी भाषा, सोच, और भावनाओं को समृद्ध करता है।
साहित्य हमें इतिहास, संस्कृति, और विभिन्न दृष्टिकोणों को समझने में मदद करता है।

- सत्येन्द्र त्रिपाठी

साहित्य एक महत्वपूर्ण कला और
साहित्यिक उत्पाद है जो भावनाओं,
अनुभवों और विचारों को
व्यक्त करने का माध्यम है।

- शिवाकान्त अवस्थी

साहित्य के माध्यम से अपने विचारों, अनुभवों अभिव्यक्ति को व्यक्त करते है जिससे समाज चित्रित, प्रेरित और बोध की ओर अग्रसर होने का प्रयास करता है।

- सुशील शुक्ला, एडवोकेट

साहित्यिक कार्यक्रम किसी भी समाज के बौद्धिक और सांस्कृतिक जीवन का दर्पण होता है। ऐसे आयोजनों में कवि, लेखक, चिंतक और पाठक एक साथ आते हैं और विचारों का आदान-प्रदान करते हैं। कविता-पाठ, कहानी वाचन, नाटक, वाद-विवाद और व्याख्यान के माध्यम से साहित्य की गहराई और विविधता को समझा जाता है।

- सुशील शुक्ला

साहित्य की परिभाषा गणित की तरह वस्तुनिष्ठ नहीं हो सकती क्योंकि साहित्य का सम्बन्ध सौन्दर्यशास्त्र और आत्मनिष्ठा से है।
साहित्य-सृजन से सकारात्मकता का संचार होता है

- आदित्य जायसवाल

शब्दों की शुचिता से भावों व विचारों में भी शुचिता आयेगी।
अतः शब्दगंगा अभियान के सहभागी बने।

- विश्वजीत कुमार

!! आमंत्रण !!

शब्दगंगा शुद्धि अभियान (शब्द-प्रदूषण मुक्ति अभियान) के संवाहन में

शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान

सृजन साहित्यिक एवं सामाजिक सेवा संस्थान, उन्नाव (उ०प्र०)- भारत

प्रस्तुत करते हैं

सम्मान समारोह
समय
सायं 6:00 से 7:00 तक

20वाँ

कवि सम्मेलन
समय
सायं 7:00 से प्रारम्भ

राष्ट्रीय कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह

दिनांक 01 नवम्बर 2025, शनिवार

स्थान उदयन भवन, आवास विकास कॉलोनी, उन्नाव-(उ०प्र०)-भारत

आमंत्रित कविगण

साग्रह

भगवान वत्स सिंह चन्देल	ओ.पी. तिवारी	अशोक कुमार 'मुन्ना सिंह'	अजय शुक्ल	प्रेम कुमार सिंह सेंगर
अध्यक्ष-सृजन	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष/स्वागताध्यक्ष	राष्ट्रीय संगठन प्रभारी/सभासद	राष्ट्रीय सह-समन्यक	राष्ट्रीय महासचिव

श्रेष्ठ सम्मान

क्र.सं.	नाम	सम्मान	स्मृति में	द्वारा
1.	श्री पवन सिंह MLC	शिक्षा गौरव–राजनीति महारत्न	श्री कमल सिंह	श्री कुलदीप सिंह
2.	श्री अनिल सेठ, HJS	न्यायिक सौष्ठव	श्रीमती मनोरमा तिवारी	श्री ओ.पी. तिवारी
3.	श्री मनीष निगम, HJS	न्यायनिष्ठा	श्री रामप्रताप सिंह	श्री भगवानवत्स सिंह चन्देल
4.	डॉ. राजीव दीक्षित, IPS	पर्यावरण महारत्न	श्री रामलाल मिश्र–स्व.संग्राम सेनानी	डॉ. अनुराग मिश्र 'गैर'
5.	श्री अनुराग अवस्थी, जि.अ.–भाजपा	राजनीति रत्न	श्री रामकुमार द्विवेदी	श्री राहुल राम द्विवेदी
6.	डॉ. मनोज श्रीवास्तव	शिक्षक शिरोमणि	पं. शिवाकान्त शुक्ल	श्री संजय शुक्ल, अजय शुक्ल
7.	डॉ. उमेश कुमार बाजपेयी	ज्योतिष रत्न	श्री सुन्दरलाल पाण्डेय	श्री मनोज कुमार पाण्डेय
8.	डॉ. मनीष त्रिपाठी	वैद्य शिरोमणि	श्रीमती ज्ञानवती दीक्षित	डॉ. राजीव दीक्षित
9.	श्री अजय श्रीवास्तव	अधिवक्ता गौरव	श्रीमती सावित्री देवी	श्री शंकरजी सिंह
10.	श्री जवाहरलाल गुप्ता	समाज गौरव	श्रीमती गणेशी	श्री देवशंकर वर्मा
11.	श्री अनुज अवस्थी	पत्रकारिता रत्न	डॉ. बाबू सिंह	श्री अशोक कुमार 'मुन्ना सिंह'
12.	निखिल प्रकाशन–आगरा	सृजन–2025	श्रीमती सरोजनी निगम	श्री नीरज निगम
13.	श्री प्रत्यूष दीक्षित–अधिवक्ता	सृजन रत्न	श्री कैलाश नारायण लाल	श्री हरिप्रकाश श्रीवास्तव
14.	श्री चन्द्रभूषण सिंह	कला रत्न	पं. रामकुमार शुक्ल	श्री गोपाल शुक्ल
15.	श्रीमती लक्ष्मी सिंह	शिक्षा रत्न	पं. रमाकान्त त्रिवेदी	श्री भानू प्रताप सिंह
16.	श्री अखिलेश अवस्थी, व्या.मण्डल	उद्योग–व्यापार सेवारत्न	श्री मुन्नालाल मिश्र	श्री ललित मिश्र
17.	श्री राजेन्द्र शुक्ल अधिवक्ता	समाज गौरव	श्री आदित्य प्रसाद त्रिपाठी	श्री सत्येन्द्र त्रिपाठी
18.	डॉ. पारूल निगम	होम्योपैथिक चिकित्सा रत्न	पं. श्रीकृष्ण शुक्ल	श्री सत्यम शुक्ल
19.	श्री राहुल शुक्ल	पत्रकारश्री	श्रीमती उषा कटियार	श्री प्रशान्त कटियार 'मन्टू'
20.	सुश्री सुकृति चौहान	क्रीणा रत्न	श्री रामशंकर बाजपेयी	श्री उमानिवास बाजपेयी
21.	श्री चन्द्रशेखर शुक्ल	सृजन रत्न	श्रीमती पदमावती शुक्ला	श्री अखिलेश शुक्ल
22.	श्री निकुंज बाजपेयी	पर्यावरण रत्न	श्रीमती जनकराज सिंह	श्री राघवेन्द्र सिंह
23.	डॉ. संजय मिश्र	होम्योपैथिक चिकित्सा गौरव	श्रीमती रामकुमारी	श्री बिपिन मिश्र

श्री संजय राठी 'उद्योग-महारत्न व नागरिक अभिनन्दन' पं. प्रवीण शंकर दीक्षित डॉ. विनय 'आशु'

LIVE ON 2YoDoINDIA / YouTube
www.2yodoindia.com

निवेदक : शब्दगंगा–सृजन परिवार

E-mail : shabdganga.shudhhiabhiyan@gmail.com www.shabdganga.org AKHILESH #8953618282

आरती

करहिं आरती आरति हर की।
रघुकुल कमल विपिन दिनकर की।।
आरती सीता राम-चरण की।
भरत, शत्रुघ्न, श्री लक्ष्मण की।।
कौशल्यादि मातु परिजन की।
श्री दशरथ के जीवन-धन की।।
करहिं आरती आरति हर की।
रघुकुल कमल विपिन दिनकर की।।
आरती हनूमान बनरा की।
देवपुंज रघुवर उरवासी।।
दुष्ट दलन जय भवभय नासी।
सकल सिद्धि सुख संपति रासी।।
करहिं आरती आरति हर की।
रघुकुल कमल विपिन दिनकर की।।
आरती राधा कृष्णचन्द्र की।
नन्द जशोदा गोपिवृन्द की।।
लक्ष्मी नारायण हरिहर की।
करहिं आरती आरति हर की।
रघुकुल कमल विपिन दिनकर की।।
आरती शंकर पार्वती की।
गणपति दुर्गा सरस्वती की।।
गंगा, यमुना, धेनुमती की।
सकल सिद्धि सुख संपति रासी।।
करहिं आरती आरति हर की।
रघुकुल कमल विपिन दिनकर की।।

संकलनकर्ता- पण्डित कृष्ण शंकर दीक्षित

शब्दगंगा आरती

शब्द-गंगा !
स्वीकार करिये सृजन का शत-शत नमन।
सकल ब्रह्माण्ड में तुम प्रवाहित तुम्हारे सारे वतन ॥

हम सभी के विचार शुद्ध हों शुद्ध चिन्तन ।
प्रवाहित शब्द- शुद्ध हों सदा शुचि मनन ॥

'शब्द- गंगा शुद्धि' हम सभी का शतत अभियान हो ।
समूची सृष्टि के मानव में बुद्धि-विवेक ज्ञान हो ॥

संस्कारों से सदा शुद्ध अन्तःकरण हो निर्मित हमारा ।
प्रेम पावन प्रस्फुटित हो, 'शब्द-गंगा शुद्धि' अभियान न्यारा ॥

'शब्द-गंगा' हम सभी मिलकर उतारें तुम्हारी आरती ।
जय भारती ! जय भारती !! जय-जय-जय भारती !!!

\- डॉ. विनयशंकर दीक्षित 'आशु'

समस्त शब्दगंगा एवं सृजन परिवार को वार्षिक पत्रिका एवं
20वें राष्ट्रीय कवि सम्मेलन की हार्दिक शुभकामनाएं

SHIVAYA
HOSPITAL
HIGHEST STANDARD OF HEALING

B-179, Awas Vikas Colony (Near)
Kanpur-Lucknow) Unnao-209801

info@shivayahospital.com
www.shivayahospital.com

Dr. Avinash Singh Chauhan

B.A.M.S, F.I.P.M, F.S.K.S (Mumbai)
Senior Resident Doctor - Shivaya Hospital

+91 9424-84-2988

19वीं
कवि सम्मेलन
एवं सम्मान समारो

राष्ट्रीय
कवि सम्मेलन
एवं सम्मान समारोह
Kerovit
YouTube

19वीं
कवि सम्मेलन

19वीं
राष्ट्रीय
कवि सम्मेलन
एवं सम्मान समारोह
Kerovit

राष्ट्रीय
कवि सम्मेलन
एवं सम्मान समारोह
YouTube
Kerovit

19वीं

एवं सम्मान समारोह
YouTube
Kerovit

19वीं

राष्ट्रीय
YouTube

श्री गणेशाय नमः

!! आमंत्रण !!

सारस्वत महायज्ञ

शब्दगंगा शुद्धि अभियान

(शब्द-प्रदूषण मुक्ति अभियान)

सम्मान समारोह
समय
सायं 6:00 से 7:00

के संवाहन में

शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान

व

सृजन साहित्यिक एवं सामाजिक सेवा संस्थान, उन्नाव (उ0प्र0)-भारत

कवि सम्मेलन
समय
सायं 7:00 बजे से

स्थान बी-525, उदयन भवन, आवास विकास कॉलोनी, उन्नाव-209801 (उ0प्र0)-भारत

E-mail : shabdganga.shudhhiabhiyan@gmail.com www.shabdganga.org

द्वारा आयोजित **20वाँ** राष्ट्रीय कवि सम्मेलन

दिनांकः 01 नवम्बर, 2025 (शनिवार)

साग्रह

भगवान वत्स सिंह चन्देल
अध्यक्ष-सृजन
मो0-8218344839

ओ.पी. तिवारी
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष/अधिवक्ता
मो0-9454377082

अशोक कुमार 'मुन्ना सिंह'
राष्ट्रीय संगठन प्रभारी/सभासद
मो0-7985163737

अजय शुक्ल
राष्ट्रीय सह-समन्वयक
मो0-9839605297

प्रेम कमार सिंह सेंगर
राष्ट्रीय महासचिव
मो0-9935370985

डॉ. विनय शंकर दीक्षित 'आशु'
राष्ट्रीय अध्यक्ष-शब्दगंगा/अधिवक्ता
मो0-9450056934

मुख्य संरक्षक
पंकज गुप्ता
विधायक-सदर
कार्यक्रम संरक्षक
डॉ० महेश चन्द्र मिश्र 'विधु'
श्री सुरेश चन्द्र तिवारी 'पथिक'
डॉ०राजीव दीक्षित, आई.पी.एस.
पं०प्रेम कुमार दीक्षित
राष्ट्रीय पदाधिकारी
नीरज निगम
राष्ट्रीय सह-संगठन प्रभारी
ललित मिश्र
राष्ट्रीय सह-संयोजक
मनोज कुमार पाण्डेय
शासकीय अधिवक्ता
राष्ट्रीय सह-संयोजक
राकेश तिवारी 'राही'
राष्ट्रीय प्रवक्ता
राहुल राम द्विवेदी
राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी
प्रमुख परामर्शदाता
संजय राठी
डॉ. राजीव सिंह
विमल द्विवेदी
नर सेवा - नारायण सेवा संस्थापक
गिरीश चन्द्र शुक्ल
अंकेक्षक
अशोक द्विवेदी
अधिवक्ता
संजय गुप्ता
प्रत्यूष दीक्षित
प्रमुख संरक्षक
सतीश राजपाल 'गुल्लू'
सुशील शुक्ला
देवशंकर वर्मा
शंकर जी सिंह
राकेश सिंह, अधिवक्ता
डॉ. अनुराग मिश्र 'गैर'
भानू प्रताप सिंह
प्रादेशिक पदाधिकारी
धर्मेन्द्र मिश्र, अधिवक्ता
प्रदेश सह-संयोजक
मुकेश सैनी
प्रदेश सह-समन्वयक उ.प्र.
संजीव सिंह, अधिवक्ता
प्रदेश सह-संयोजक उ.प्र.
मनमोहन तिवारी
प्रदेश सह-संगठन प्रभारी
सत्येन्द्र त्रिपाठी
प्रदेश सह-संयोजक
अखिलेश शुक्ल, अधिवक्ता
प्रदेश समन्वयक -विधि प्रकोष्ठ
सत्यम शुक्ल, अधिवक्ता
प्रदेश समन्वयक -विधि प्रकोष्ठ
कुँवर मनीष प्रताप सिंह
प्रदेश सह-समन्वयक उ.प्र.
राजेश शुक्ल
प्रदेश सह-संयोजक
सेवाव्रती जनसेवी शब्दगंगा - सृजन सारथी
प्रशांत कटियार 'मन्नू'
नीरज गुप्ता
अखिलेश अवस्थी
सुधीर बाजपेयी
विपिन मिश्र
सुरेन्द्र वर्मा
अवधेश सिंह

संरक्षक

उमा निवास बाजपेयी | कुलदीप सिंह | राजेश त्रिपाठी-अधिवक्ता | डॉ० मनोज श्रीवास्तव | चन्द्रशेखर शुक्ला | के.के. जंतानी | अचल तिवारी | प्रदीप श्रीवास्तव, शा. अधिवक्ता | सुशील शुक्ल-अधिवक्ता | हरिप्रकाश श्रीवास्तव

परामर्शदाता

शिवाकान्त अवस्थी | आर. के. वर्मा | रमाशंकर मिश्र | अजय श्रीवास्तव, अधिवक्ता | गोपाल शुक्ल | राघवेन्द्र सिंह | विनय श्रीवास्तव 'दीपू' | अनूप दीक्षित | मनीष गुप्ता

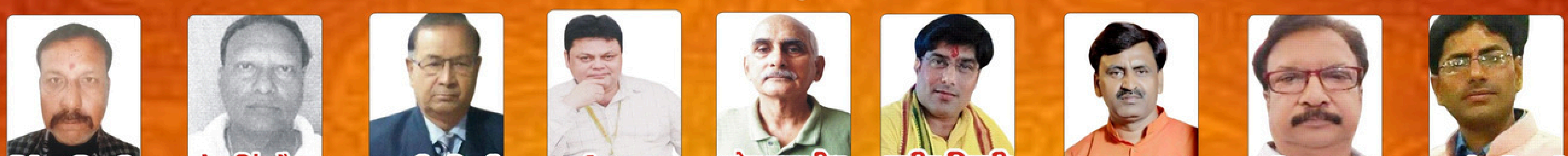

दिनेश तिवारी | राकेश सिंह चौहान | आर.पी. तिवारी | सतीश रावत | राकेश कुमार मिश्र | सुधीर तिवारी | पुत्तनलाल पाल | अमिताभ पाल | शशांक त्रिपाठी

भोला ठाकुर | अशोक कुमार चौधरी | सिद्धान्त अवस्थी, अधिवक्ता | दीपक त्रिवेदी | रवीन्द्र बाबू | शिवकिशोर शुक्ल | आकाश शर्मा | सौरभ पाण्डेय | डॉ. जावेद खलीक

विशिष्ट शब्दगंगा-सृजन सारथी

वैभव शुक्ल | अभिषेक सोनी | आदर्श शुक्ल | मयंक शुक्ल | शिवम त्रिपाठी | मो. आशिफ | रामेन्द्र दत्त 'सोना' | अखिलेश त्रिवेदी | आशीष मिश्रा, अधिवक्ता | राम त्रिवेदी

शब्दगंगा-सृजन महिला प्रकोष्ठ

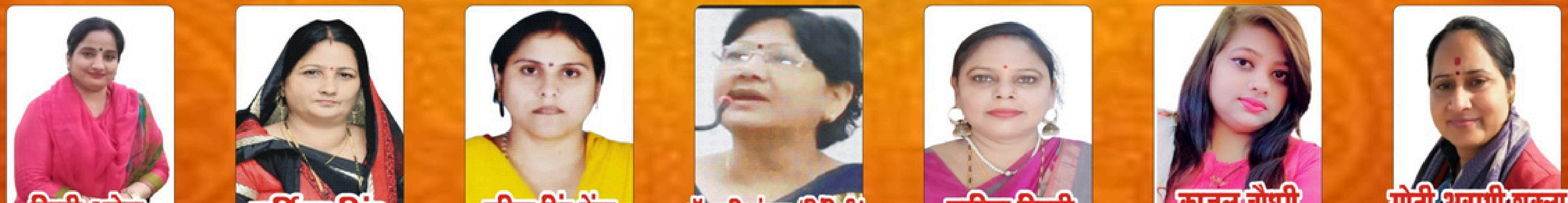

निम्मी अरोड़ा — अध्यक्ष-महिला प्रकोष्ठ
शर्मिला सिंह — महासचिव-महिला प्रकोष्ठ
मनिता सिंह सेंगर — उपाध्यक्ष-महिला प्रकोष्ठ
डॉ. शशि रंजना 'शिंजिनी' — कवयित्री
सारिका तिवारी — कवयित्री
काजल चौधरी — प्रदेश समन्वयक (महिला प्रकोष्ठ) उ.प्र.
सोनी अवस्थी शुक्ला — समाजसेविका

विशिष्ट-संरक्षक

विशाल सिंह | फूलचन्द्र जायसवाल | रामदेव शुक्ल | सियाराम पाण्डेय | महेन्द्र शंकर त्रिपाठी | रितेश जायसवाल | डॉ. संजय मिश्रा

शब्द–गंगा शुद्धि अभियान

(शब्द–प्रदूषण मुक्ति अभियान)

शब्द–गंगा शुद्धि अभियान का अभिप्राय एवं इसका प्रयोजन उस शाश्वत अवधारणा से है, जो सर्वविदित है कि शब्दों का निर्माण कभी न क्षरित होने वाले यथा नाम अक्षरों से होता है। अर्थात, अखिल ब्रह्माण्ड में व्याप्त ईथर नामक महातत्व में हमारे द्वारा उच्चारित शब्द हजारों मील प्रति सेकेण्ड की दर से तैरते रहते हैं और ये शब्द कभी नष्ट नहीं होते हैं। यही कारण है कि दूरभाष एवं चलभाष यन्त्रों द्वारा हमारे उच्चारित शब्दों को ईथर महातत्व (शब्द गंगा) से चुम्बकीय प्रभाव द्वारा आकृष्ट कर लिया जाता है। हमारा मस्तिष्क विचारों का यन्त्र है। विचारों का मूर्तरुप, हमारे द्वारा उच्चारित शब्द हैं, जो अखिल ब्रह्माण्ड में व्याप्त हो जाते हैं और जिन्हें उच्चारित करने के पश्चात हम वापस नहीं ले सकते हैं, अर्थात हम उनके अस्तित्व को समाप्त नहीं कर सकते हैं। वैज्ञानिक अनुसंधान एवं सिद्धान्तों का प्रतिपादन एक सतत प्रक्रिया है। गूढ़ तत्वों और रहस्यों की विद्यमानता का उद्घाटन समय–समय पर पृथक–पृथक तरीके से भी हो सकता है। किन्तु शब्दों की अक्षुण्णता की अनुभूति अत्यंत सहजता से मानवनिर्मित यन्त्रों द्वारा आवाज को अभिलिखित करके भी की जा सकती है।

अतः हमारा दायित्व है कि ब्रह्माण्ड में शुद्ध एवं सार्थक शब्द ही प्रवाहित करें और अपशब्दों के प्रयोग से बचें। इस ध्येय से मैं सृजन साहित्यिक एवं सामाजिक सेवा संस्थान–उन्नाव की ओर से अभूतपूर्व वैचारिक महाभियान शब्द–गंगा शुद्धि अभियान (शब्द–प्रदूषण मुक्ति अभियान), जो अब शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान का भी महनीय ध्येय है, का विश्वव्यापी जन–जागरुकता के उद्देश्य से गणतंत्र–दिवस की पूर्व संध्या 25 जनवरी, 2015 को शुभारम्भ कर इसकी सफलता हेतु निम्नांकित बिन्दुओं पर आप सभी का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ :

1– शब्द–गंगा में अमर्यादित एवं अवांछनीय शब्द विसर्जित न किए जाएं

2– अपने विचार पवित्र रखे जाएं।

3– विचारों को पवित्र रखने के लिए संस्कारों पर विशेष ध्यान दिया जाए।

4– शब्द–गंगा में पवित्र शब्द ही प्रवाहित किए जाएं, क्योंकि यह शब्द–गंगा हम सभी की है और हम सभी इससे प्रभावित होंगे।

5– अमर्यादित शब्दों का शमन पवित्र शब्दों से किया जाए।

आप सभी से विनयपूर्वक निवेदन है कि इस अभियान से मनसा–वाचा–कर्मणा जुड़कर अपना अमूल्य सहयोग प्रदान करने की कृपा करें। और, अपने बहुमूल्य सुझावों से हमें अवगत कराने की कृपा करें।

धन्यवाद!

जय भारत! जय भारती!! जय शब्द–गंगा!!!

साभार

विनय शंकर दीक्षित 'आशु',

राष्ट्रीय अध्यक्ष–शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान

संस्थापक / महामंत्री–सृजन साहित्यिक एवं सामाजिक सेवा संस्थान

निवेदकः–

शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान

सृजन साहित्यिक एवं सामाजिक सेवा संस्थान,

बी–525, उदयन भवन, आवास विकास कालोनी,

निकट बाईपास, उन्नाव–209801 उ.प्र., भारत।

अणुप्रेषः shabdganga.shudhhiabhiyan@gmail.com